● जयपुर, गुरुवार, 17 अक्टूबर 24 ● वर्ष 14 ● अंक 61 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार
"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"
● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 भाजपा शासन में जनता की सुनवाई नहीं,उप चुनाव में देगी जवाबः डोटासरा...
पेज @4 हरियाणा के साथ कश्मीर में भाजपा का समर्थन बढ़ा, अब राजस्थान उपचुनावों...
पेज @8 इनवेस्टमेंट समिट-2024 का हुआ आयोजन, 31 निवेशकों के साथ...

किलों और महलों से परे, राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में ग्रीन टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म जैसे कई नए द्वार खोले जा रहे हैं: मुख्यमंत्री, भजन लाल शर्मा

पर्यटन क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एकः दिया कुमारी

चमकता राजस्थान

जयपुर । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी जर्मनी यात्रा के तीसरे दिन आज ट्रैवल-टेक कंपनी फ्लिक्स बस के म्यूनिख (जर्मनी) स्थित मुख्यालय का दौरा किया और इसके आला अधिकारियों से बातचीत की। फ्लिक्स बस कंपनी के सह-संस्थापक और सीईओ आंद्रे श्वाम्लेन, और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर मैक्स ज़्यूमर के साथ हुई इस बैठक में दोनों पक्षों के बीच राजस्थान में निवेश करने और राज्य के अंदर कंपनी के परिचालन के विस्तार हेतु एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। फ्लिक्स बस परिवहन क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी है और राजस्थान में इसका पहले से कारोबार है। इस कंपनी के साथ हुए साझेदारी का उद्देश्य राज्य में ट्रांसपोर्ट कनेक्टिविटी को बढ़ाना, परिवहन सेवाओं में सुधार करना और राज्य की आर्थिक विकास में योगदान

देना है, ताकि रोजगार के नए अवसरों का निर्माण हो सके। इस बैठक में राज्य के परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने में फ्लिक्स बस द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर भी जोर दिया गया, जिससे राजस्थान के निवासियों और राज्य में आने वाले पर्यटकों, दोनों को अच्छी परिवहन सेवा मिल सके। राज्य के परिवहन क्षेत्र को आधुनिक और कुशल बनाने के लक्ष्य के मद्देनजर, प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में फ्लिक्स बस के कारोबार को आगे बढ़ाने में सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया।

इसके अलावा, दुनिया के पहली डिजिटल फार्मा प्लेटफॉर्म और अग्रणी एआई-संचालित ड्रग एसेट्स कंपनी पार्टेक्स एनवी के साथ चर्चा में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान को एक प्रमुख फार्मा हब बनाने के सरकार के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की जानकारी दी और कंपनी को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया।

इस विशेष पर्यटन मीट में बोलते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा, ''किलों और महलों के अलावा राजस्थान के अंदर पर्यटन के कई नए द्वार खोले जा रहे हैं और प्रदेश के अंदर लक्जरी रिसॉर्ट्स, इको-फ्रेंडली रिसॉर्ट्स, वेलनेस टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म जैसे पर्यटन के कई क्षेत्र में अपार अवसर हैं। हम ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा, राजस्थान की जीवंत संस्कृति, जिसमें तीज और पुष्कर मेला जैसे त्यौहार शामिल हैं, काफी प्रतिष्ठित है और इसका अनुभव सभी को करना चाहिए। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पर्यटन के सभी क्षेत्रों का तेजी से विकास हो।

इस अवसर पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री सुश्री दिया कुमारी ने कहा, ''पर्यटन क्षेत्र राजस्थान की अर्थव्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है। ऐतिहासिक किलों और मनमोहक महलों से लेकर विशाल बाघ अभयारण्यों और वन्यजीव अभयारण्यों तक, राज्य में एक पर्यटक को मिलने वाले अनुभवों की विविधता वास्तव में असाधारण है। मैं इस अवसर पर आप सभी को 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का हिस्सा बनने और राजस्थान की विशेषताओं का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करती हूँ।''

कल आयोजित निवेशक रोड शो के दौरान राजस्थान सरकार ने अल्बाट्रॉस प्रोजेक्ट्स, फ्लिक्स बस, पार्टेक्स एनवी, वेउली टेक्निक्स जीएमबीएच और इंगो शिमट्ज सहित कई जर्मन फर्मों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इन एमओयू के बाद, 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के तहत अब तक 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव आ चुके हैं, जो राज्य सरकार के प्रयासों में निवेशक और व्यापार समुदाय के जबरदस्त विश्वास को दर्शाता है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा जर्मनी और इंग्लैंड के दौरे पर गए इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) शिखर अग्रवाल, राजस्थान के डिस्कॉम्स की अध्यक्ष और जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक सुश्री आरती डोगरा, उद्योग विभाग और ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टमेंट्स (बीआईपी) के आयुक्त श्री रोहित गुप्ता और राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

न्यूज़ अपडेट

केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर को मिला पहला मुख्यमंत्री, उमर अब्दुल्ला ने ली सीएम पद की शपथ

श्रीनगर/एजेंसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। अब्दुल्ला 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री बने हैं। अनुच्छेद 370 हटने के बाद तत्कालीन राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया था। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में अब्दुल्ला का यह दूसरा कार्यकाल होगा। पहले कार्यकाल में वह 5 जनवरी, 2009 और 8 जनवरी, 2015 के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री थे। उमर अब्दुल्ला को शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शपथ दिलाई। कहा जा रहा है उपराज्यपाल सिर्फ 4 चुने हुए विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाएंगे।

विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन की शिखरवार्ता में पाक को दिलाई याद

आतंक और व्यापार साथ-साथ नहीं : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने बुधवार को इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शिखरवार्ता में याद दिलाया कि संगठन के चार्टर में आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को स्पष्ट रूप से चुनौती माना गया है। ऐसे में सीमा पार से इस तरह की गतिविधियां होती रहेंगी तो सहयोग विशेषकर क्षेत्रीय सहयोग संभव नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि सहयोग आपसी सम्मान और संप्रभुता पर आधारित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, यदि सीमा पार की गतिविधियां- आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद होंगी तो समानांतर रूप से व्यापार, ऊर्जा प्रवाह, कनेक्टिविटी और लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान के प्रोत्साहन की संभावना नहीं होंगी।

एससीओ के शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक में संगठन में शामिल देशों के शीर्ष नेता शामिल होते हैं। विदेश मंत्री जयशंकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्थान पर बैठक में शिरकत करने पहुंचे पहुंचे थे।

● संगठन के चार्टर में आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को स्पष्ट रूप से चुनौती माना गया है

सहयोग एकतरफा एजेंडे पर नहीं बल्कि वास्तविक साझेदारियों पर बनना चाहिए

एससीओ की बैठक में विदेश मंत्री ने कहा कि सहयोग एकतरफा एजेंडे पर नहीं बल्कि वास्तविक साझेदारियों पर बनाया जाना चाहिए। हमारे प्रयास तभी आगे बढ़ेंगे जब चार्टर के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ रहेगी। यह स्वयंसिद्ध है कि विकास और प्रगति के लिए शांति और स्थिरता की आवश्यकता होती है। और जैसा कि चार्टर में कहा गया है, इसका मतलब है 'तीन बुराइयों' का मुकाबला करने में दृढ़ता से करना और इनसे समझौता न करना। उन्होंने कहा कि वैश्विक संघर्षों की बीच जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या, आपूर्ति श्रृंखला की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता वृद्धि और विकास को प्रभावित कर रहे हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण समय है। प्रौद्योगिकी बड़ी संभावनाएं रखती है, लेकिन साथ ही नई चिंताओं को भी जन्म देती है। एससीओ के सदस्यों को इन चुनौतियों पर कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए इसपर विचार करना होगा। विदेश मंत्री ने इस दौरान वैश्विक संस्थाओं में बदलाव की मांग को दोहराया।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देता है : विदेश मंत्री

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में व्यापक सुधार आवश्यक है। भारत की भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी अपनी वैश्विक पहल और राष्ट्रीय प्रयास भी एससीओ के लिए अत्यधिक प्रासंगिक हैं। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देता है। आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन हमें जलवायु घटनाओं के लिए तैयार करता है। मिशन लाइफ एक स्थायी जीवन शैली की वकालत करता है। योगाभ्यास और मोटा अनाज को बढ़ावा देने से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर फर्क पड़ता है। वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन ऊर्जा परिवर्तन के कार्य को मान्यता देता है। इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस हमारी जैव-विविधता की रक्षा करता है। घर पर, हमने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के मूल्य का प्रदर्शन किया है, जैसे हमने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रभाव को दिखाया है।

मोदी सरकार ने 2,642 करोड़ की वाराणसी–डीडीयू 'मल्टी ट्रैकिंग' परियोजना को दी मंजूरी

बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की आवश्यकता है

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना को मंजूरी दे दी। इस पर 2,642 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। प्रस्तावित परियोजना में गंगा नदी पर एक नया रेल-सह-सड़क पुल और अन्य बुनियादी ढांचा सुविधाओं को आधुनिक बनाने के अलावा वाराणसी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) जंक्शन मार्ग के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन को शामिल करना शामिल है। आधिकारिक बयान में कहा गया है, प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग

परियोजना परिचालन को आसान बनाएगी और भीड़भाड़ को कम करेगी। इससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर जरूरी ढांचागत सुविधाओं का विकास होगा। यह परियोजना उत्तर प्रदेश में वाराणसी और चंदौली जिलों से होकर गुजरती है। इसमें कहा गया है वाराणसी रेलवे स्टेशन, भारतीय रेलवे का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यह प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ता है और तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय आबादी के लिए प्रवेश द्वार के रूप में काम करता है।

बयान के अनुसार, यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए महत्वपूर्ण वाराणसी-डीडीयू जंक्शन मार्ग, कोयला, सीमेंट और खाद्यान्न जैसे सामान के परिवहन के साथ-साथ बढ़ती पर्यटन और औद्योगिक मांग को पूरा करने में अपनी भूमिका के कारण भारी भीड़ का सामना करता है। इसमें कहा गया है, इस मुद्दे का हल करने के लिए, बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की आवश्यकता है।

रबी सीजन के लिए फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी

केंद्र सरकार ने रबी विपणन सीजन 2025-26 के लिए सभी अनिवार्य फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने आज एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विन वैष्णव ने बताया कि सरकार ने उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए एमएसपी में वृद्धि की है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी रेपसीड और सरसों में 300 रुपये प्रति क्विंटल की गई है। फैसलों के अनुसार गेहूं पर एमएसपी में 150 रुपये की बढ़ोतरी की गई है और अब पिछले वर्ष के 2,275 रुपये से बढ़कर इस वर्ष 2,425 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। जौ पर एमएसपी में 130 रुपये की बढ़ोतरी की गई है और यह 1850 से बढ़कर 1980 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। चने पर एमएसपी में 210 रुपये की बढ़ोतरी की है और यह 5440 से बढ़कर 5650 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। मसूर की एमएसपी में 275 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। यह 6425 से बढ़कर 6700 रुपये हो गई है। रेपसीड और सरसों की एमएसपी में 140 रुपये की बढ़ोतरी की गई है जो पिछले वर्ष के मुकाबले 5800 से बढ़कर 5940 रुपये हो गई है।

वाटर टैंक के ड्रेनेज सिस्टम में जांच के दौरान हुआ हादसा

गुजरात : दम घुटने से 5 लोगों की मौत, मृतकों के परिजनों को मुआवजे का ऐलान

एजेंसी

भुज। गुजरात के कच्छ जिले के कांडला की औद्योगिक इकाई में बीती रात दम घुटने से 5 लोगों की मौत हो गई। बताया गया कि कांडला की इमामी एग्रोटेक कंपनी में सुपरवाइजर वाटर टैंक का ड्रेनेज सिस्टम देखने गया था। सुपरवाइजर के अंदर जाने के बाद उसके चिल्लाने की आवाज सुनकर 4 अन्य लोग भी अंदर गए।इन सभी की ड्रेनेज सिस्टम के अंदर दम घुटने से मौत हो गई। कंपनी की ओर से सभी मृतकों के परिजनों को 10-10 रुपये देने की

घोषणा की गई है। कांडला मरीन पुलिस के अनुसार इस घटना में सिद्धार्थ तिवारी, अजमत खान, आशीष गुप्ता, आशीष कुमार और संजय ठाकोर नामक श्रमिकों की मौत हो गई। सभी के शवों को पोस्टमार्टम के लिए रामबाग सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया है। कंपनी के एचआर सुनील यादव के अनुसार बीती रात 12.30 बजे के आसपास इन्चार्ज-सुपरवाइजर सिद्धार्थ तिवारी वाटर टैंक का ड्रेनेज सिस्टम जांच करने गया था। इस दौरान वह दुर्घटनावश टंकी में गिर गया। टंकी के अंदर घुटन होने पर वह चिल्लाने लगा, उसकी आवाज सुनकर 4 अन्य श्रमिक भी उसे बचाने को टंकी के अंदर गए। लेकिन टंकी के अंदर गैस होने की वजह से सभी घुटन के कारण बेहोश हो गए।

लद्दाख आंदोलन की अनदेखी न हो

सोनम वांगचुक के नेतृत्व में एक महीने से ज्यादा समय से लद्दाख से अपनी मांगों को लेकर पदयात्रा करते हुए 100 से अधिक लोग दिल्ली पहुंचे। कठिन जलवायु में इतनी लंबी यात्रा करके 80 वर्ष के बूढ़े साथियों समेत ये दल दिल्ली पहुंचा। दिल्ली पुलिस का इनके साथ व्यवहार कुछ अच्छा नहीं रहा। यह लोग शांति पूर्ण ढंग से अपनी बात सरकार तक पहुंचाना चाहते हैं। दिल्ली पुलिस इन्हें शक की नजर से देख रही है। अभी तक सरकार से आंदोलनकारियों को बातचीत के लिए कोई संदेश नहीं मिला।

हरियाणा व जम्मू-कश्मीर के चुनाव के चलते सरकार की अति व्यस्तता तो समझ में आती है किंतु अब कोई बाधा नहीं दिखती, इसलिए यह आशा की जानी चाहिए कि सरकार अति शीघ्र वार्ता करके सोनम वांगचुक का आमरण अनशन समाप्त कराएगी। इससे समस्या का सर्व समावेशी हल तलाश करने की दिशा में मार्ग प्रशस्त होगा। सोनम वांगचुक पिछली सर्दियों में भी लद्दाख की कुछ मांगों को लेकर लंबा अनशन कर चुके हैं। उनकी कुछ मांगें केवल लद्दाख केन्द्रित हैं और कुछ पूरे हिमालय के संवेदनशील पर्यावरण को बचाने से संबंधित हैं। लद्दाख को सी श्रेणी राज्य का दर्जा दे कर विधानसभा और उपराज्यपाल की व्यवस्था की जा सकती है। जाहिर है कि स्थानीय समस्याओं को जितना चुने हुए प्रतिनिधि समझ सकते हैं, उतना प्रशासनिक तंत्र नहीं समझ सकता, जिससे लोगों में असंतोष बना रह सकता है। इस सीमांत क्षेत्र में देश किसी असंतोष को सहन करने की स्थिति में नहीं है। दूसरी मांग छठी अनुसूची में डालने की है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244 के अनुसार छठी अनुसूची लागू की गई। छठी अनुसूची को स्वायत्त जिला परिषदों की स्थापना और संचालन करके स्वदेशी आदिवासी समूहों की रक्षा के लिए बनाया गया था।

असम, मिजोरम, और मेघालय में तीन-तीन स्वायत्त जिला परिषद हैं, त्रिपुरा में केवल एक है। स्वायत्त जिला परिषदों को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों के लिए कानून बनाने का अधिकार है, जिसमें भूमि, खेती, विरासत, वन, और रीति- रिवाजों सहित आदिवासी और स्वदेशी समूहों से संबंधित हर पहलू को शामिल किया गया है। उन्हें भूमि और अन्य कर एकत्रित करने का भी अधिकार है। इससे छठे अनुसूची क्षेत्रों को बाहरी दबावों से बचाव की प्रभावी शक्तियां मिल जाती हैं, जिनका उपयोग स्थानीय संवेदनशील पर्यावरण और परंपराओं को संरक्षित करने में किया जा सकता है। पर्वतीय लोग आर्थिक रूप से उतने सशक्त नहीं होते क्योंकि वहां संसाधनों की कमी रहती है, यदि कुछ संरक्षण न दिया जाए तो पैसे वाले लोग वहां के संसाधनों को खरीद कर स्थानीय लोगों को हाशिए पर ला सकते हैं। यह डर सभी पर्वतीय राज्यों में कमोबेश रहा है। आदिवासी लोगों में यह और भी ज्यादा है। इस मुद्दे पर चर्चा करके रास्ता निकला जा सकता है, लेकिन उनकी चिंता निराधार नहीं ठहराई जा सकती। सुना गया है कि लद्दाख के लोगों से छठे अनुसूची में लाने का वादा वर्तमान सरकार द्वारा किया गया था। तब तो इस समस्या को हल करने में कठिनाई नहीं होनी चाहिए। फिर भी सरकार हिचकिचा क्यों रही है समझ से परे है। पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों के बारे में उनकी मांगें हिमालयी प्रदेशों के लिए महत्व रखती हैं। इसी कारण अन्य हिमालयी राज्यों में भी सोनम वांगचुक के संघर्ष के प्रति समर्थन का भाव है। पर्यावरण मित्र विकास और बृहदाकार निर्माण आधारित विकास में टकराव पूरे हिमालय में ही देखने को मिल रहा है। बृहदाकार निर्माण आधारित विकास संवेदनशील हिमालयी परिस्थिति तंत्र को तोड़फोड़ कर आगे बढ़ता है जिससे एक ओर पर्वतीय क्षेत्रों में मानव निर्मित आपदाओं में बढ़ोतरी हो रही है तो दूसरी ओर लोगों को पर्याप्त रोजगार भी नहीं मिल रहा।

आपदाग्रस्त और विस्थापितों का पुनर्वास भी बड़ी समस्या बना हुआ है। भाखड़ा और पोंग बांधों के विस्थापित अभी तक भी पूरी तरह से बस नहीं पाए हैं। इसलिए हिमालय में विकास के लिए वैकल्पिक मॉडल की खोज नवाचार के माध्यम से करनी होगी। कम से कम इतना तो मान कर ही चलना होगा कि हिमालय के लिए स्माल इज ब्यूटीफुल पर्वतीय राज्यों पर जलविद्युत उत्पादन का बड़ा दबाव है। इसमें कुछ नदियां तो लुप्तप्रायः ही हो गई हैं। ये झील में हैं या सुरंग में हैं। नदी तंत्र की रक्षा के लिए नदी दोहन की कोई सीमा निर्धारित करनी होगी। मान लो 60 फीसद से ज्यादा नदी का दोहन नहीं करेंगे, तो नदी भी जिंदा रहेगी और बिजली भी बन जाएगी। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने नदी तंत्र पर जलविद्युत उत्पादन संबंधी मुद्दों पर रिपोर्ट देने के लिए अवय शुक्ल कमेटी का गठन किया था। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में 7000 फुट से ऊपर जल विद्युत परियोजनाएं न लगाने की संस्तुति की। किंतु इस तरह के किसी भी संयम को मानने में वर्तमान व्यवस्थाएं असफल रही हैं। देखा जाए तो इस आधार पर हिमाचल प्रदेश में जल विद्युत उत्पादन की संतृप्ति सीमा आ चुकी है, किंतु जल विद्युत क्षमता का आकलन बढ़ता ही जा रहा है। बड़े-बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के बजाय यदि हर गांव में एक मेगावाट सौर ऊर्जा रूफ टॉप और अनुपजाऊ भूमि पर बना ली जाए तो भारत वर्ष में 6 लाख मेगावाट बिजली बनाई जा सकती है।

आसान ऋण व्यवस्था और हरित ऊर्जा सब्सिडी से इसे संभव और लोकप्रिय बनाया जा सकता है। इससे पर्वतीय क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका के अवसर भी पैदा होंगे और बृहद आकार निर्माण आधारित तोड़फोड़ से भी बचा जा सकेगा। अर्थात वैकल्पिक तकनीकें उपलब्ध भी हैं, नवाचार से खोजी भी जा सकती हैं। केवल राजनीतिक इच्छा शक्ति से दृढ़ता पूर्वक निर्णय लागू करने जरूरत है। आशा की जानी चाहिए कि लद्दाख आंदोलन को हल करने के लिए इस दिशा में सोचा जाएगा। आंदोलन अपने आप में गैरराजनैतिक है, किंतु ऐसी स्थितियों में राजनीतिक दलों को भी मुद्दा उड़ाने की कोशिशों से रोका नहीं जा सकता। फिर भी यदि वर्तमान भाजपा सरकार यदि मुद्दे को सुलझा लेती है तो उसे इसका राजनीतिक लाभ मिल ही जाएगा।

डाकू से ऋषि बने वाल्मीकि ने रामायण रची

ललित गर्ग

महापुरुषों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती। उनका लोकहितकारी चिन्तन, कर्म एवं उपलब्धि कालजयी होती है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करती है। महर्षि वाल्मीकि हमारे ऐसे ही एक प्रकाश-स्तंभ हैं, जिनकी जयंती का सनातन धर्म में बहुत ही खास महत्व है। डाकू से ऋषि बने वाल्मीकि ने हिन्दू धर्म के महान रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की थी। ऋषि वाल्मीकि सबसे महान संस्कृत कवियों में से एक थे। उन्हें आदिकवि के नाम से भी जाना जाता है। ऋषि वाल्मीकि ने जिस रामायण की रचना की वो वाल्मीकि रामायण के नाम से जानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि अपने वनवास के समय भगवान श्रीराम वाल्मीकि के आश्रम भी गए थे। वाल्मीकिजी को भगवान श्रीराम के जीवन में घटित घटनाओं की जानकारी थी। कहा जाता है कि ऋषि वाल्मीकि को तीनों कालों सतयुग, त्रेता और द्वापर का ज्ञान था। महाभारत काल में भी वाल्मीकिजी का उल्लेख मिलता है।
वाल्मीकि जयंती हर साल आश्विन महीने की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनायी जाती है। उनकी जन्मतिथि आज भी विवादों में ही है, क्योकि उनके जन्म के बारें मे कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है जिससे उनकी सही जन्म तिथि के बारे मे कुछ भी कहा जा सके। लेकिन रामायण के समयकाल को शामिल करते हुए यह कहा जाता है, कि वह पहली शताब्दी से लेकर पांचवीं शताब्दी के बीच के रहे होगें। वे एक संत थे और वो एक साधारण जीवन और उच्च विचार रखने वाले व्यक्ति थे। वे बहुत ज्ञानी होने के साथ-साथ एक महान व्यक्तित्व थे। हिंन्दू पौराणिक कथाओं अनुसार, वाल्मिकी ऋषि ही वह अलौकिक एवं दिव्य व्यक्ति थे, जिन्होंने देवी सीता को तब आश्रय दिया था, जब वो अयोध्या राज्य छोड़कर वन में चली गई थीं। यही नहीं मां ने उन्हीं के आश्रम में लव कुश को जन्म दिया था। महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही लव कुश ने भगवान श्रीराम का अश्वमेध यज्ञ बांध लिया था। जिसकी वजह से श्रीराम को वाल्मीकि आश्रम में आना पड़ा था। यहीं पर पहली बार लव कुश अपने पिता श्रीराम से मिले थे। बाद में महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम को लव कुश से परिचय करवाया। देवी सीता के पृथ्वी माता की गोद में समा जाने पर वाल्मीकि ने लव कुश को भगवान श्रीराम को सौंप दिया।
मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि का जन्म एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। किंतु डाकुओं के संसर्ग में रहने के कारण ये लूटपाट और हत्याएं करने लगे और यही इनकी आजीविका का साधन हो गया। इन्हें जो भी मार्ग में मिलता वह उनकी संपत्ति लूट लिया करते थे। एक दिन इनकी मुलाकात देवर्षि नारद से हुई।

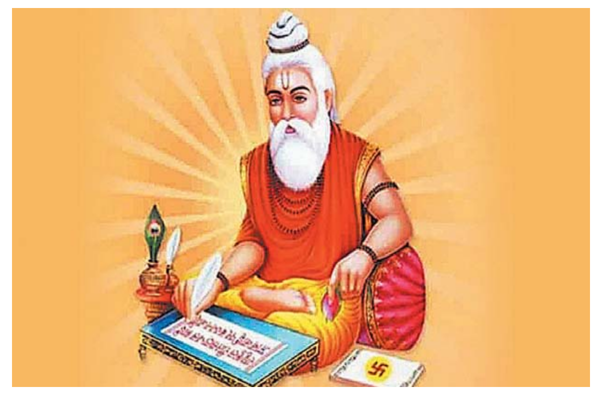

इन्होंने नारदजी को लुटते हुए कहा कि तुम्हारे पास जो कुछ है उसे निकाल कर रख दो, नहीं तो तुम्हें जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। देवर्षि नारद ने कहा, मेरे पास इस वीणा और वस्त्र के अलावा कुछ और नहीं है? तुम लेना चाहो तो इसे ले सकते हो, लेकिन तुम यह क्रूर कर्म करके भयंकर पाप क्यों करते हो?' देवर्षि की कोमल वाणि सुनकर वाल्मीकि का कठोर हृदय कुछ द्रवित हुआ। इन्होंने कहा, 'मेरी आजीविका का यही साधन है और इससे ही मैं अपने परिवार का भरण पोषण करता हूं।' देवर्षि बोले, तुम अपने परिवार वालों से जाकर पूछो कि वे तुम्हारे इन पाप कर्मों में भी हिस्सा बंटाएंगे या नहीं? वाल्मीकि ने परिजनों से उक्त प्रश्न पूछा तो सभी ने कहा कि यह तुम्हारा कर्तव्य है कि हमारा भरण पोषण करो परन्तु हम तुम्हारे पाप कर्मों में क्यों भागीदार बनें? परिजनों की बात सुनकर वाल्मीकि को आघात लगा। उनके ज्ञान नेत्र खुल गये। उनके जीवन की दिशा बदल गयी। इस घटना से रत्नाकर बहुत दुखी हुआ और गलत मार्ग का त्याग करते हुए श्रीराम की भक्ति में डूब गया। महर्षि बाल्मीकि परिजनों की बात सुनने के बाद जंगल में पहुंचे और वहां जाकर देवर्षि नारद को बंधनों से मुक्त किया तथा विलाप करते हुए उनके चरणों में गिर पड़े और अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा। नारदजी ने उन्हें धैर्य बंधाते हुए श्रीराम नाम के जप की सलाह दी। लेकिन चूंकि वाल्मीकि ने भयंकर अपराध किये थे इसलिए वह राम राम का उच्चारण करने में असमर्थ रहे तब नारदजी ने उन्हें मरा मरा उच्चारण करने को कहा। बार बार मरा मरा कहने से राम राम का उच्चारण स्वतः ही होने लगा। इस राम नाम के जप ने रत्नाकर डाकू का जीवन ही नहीं बदला बल्कि उनके भीतर अनेक अलौकिक, दिव्य एवं विलक्षण शक्तियों का प्रस्फुटन भी कर दिया था। उनके इस जप एवं तप से ब्रह्मदेव प्रसन्न हुए और उन्होंने वाल्मीकिजी को श्रीराम का चरित्र लिखने का आदेश दिया। उसके बाद वाल्मीकिजी ने रामायण की रचना की। महर्षि वाल्मीकि का पालन जंगल में रहने वाली भील जाति में हुआ था, जिस कारण उन्होंने भीलों की परंपरा को अपनाया। स्कंद पुराण के नागर खंड में महर्षि वाल्मीकि को ब्राह्मण बताया गया है। पुराण के मुताबिक ब्राह्मण परिवार में जन्में वाल्मीकि के बचपन का नाम 'लोहजंघा' था और वह अपने माता-पिता के प्रति बहुत समर्पित थे। गोस्वामी तुलसीदास को रामायण के रचयिता वाल्मीकि का अवतार माना जाता है। वाल्मीकि को भगवान श्रीराम के जीवन की हर घटना का ज्ञान था, ऐसा प्रतीत होता है अपनी दिव्य साधना एवं सिद्धि से श्रीराम के सम्पूर्ण जीवन का साक्षात्कार किया हो। वे रामायण के रचयिता ही नहीं, बल्कि प्रभु श्रीराम के भाष्यकार भी है। तभी उन्होंने श्रीराम के जीवन एवं चरित्र को बहुत बारीकी से प्रस्तुति दी है। ऋषि वाल्मीकिजी कहते है कि भगवान श्रीराम का चेहरा चंद्रमा की तरह चमकदार और सुंदर है। उनकी आंखों की तुलना कमल से की गई। आंखों के कोणों के ताम्र रंग को ताम्राक्ष और लोहिताश के रूप में व्यक्त किया है। ऋषि वाल्मीकि के अनुसार भगवान श्रीराम के बाल लंबे और घने थे। उनके अनुसार, भगवान श्रीराम की नाक उनके चेहरे की तरह लंबी और सुडौल थी। उन्होंने श्रीराम को महानासिका वाला बताया है। महानासिका से तात्पर्य उन्नत और दीर्घ नासिका से है। वहीं प्रभु श्रीराम के कानों के लिए उन्होंने टीकारों ने चतुर्दशसमद्वन्द और दशवृहत जैसे शब्दों का प्रयोग किया है। जिसका अर्थ है कानों का सम और बड़ा होना। वाल्मीकि ने उनके कानों के लिए शुभ कुंडलों का प्रयोग भी किया है। महर्षि वाल्मीकि के अनुसार, प्रभु के हाथ के अंगूठे में चारों वेदों की प्राप्ति सूचक रेखा थी, जिसके चलते उन्हें चतुष्फलक कहा गया है। श्रीराम के चरण सम और कमल के समान बताए गए हैं।
मान्यता के अनुसार एक बार वाल्मीकिजी गहन तपस्या में बैठे थे। लंबे समय तक चले इस तप में वे इतने मग्न थे कि उनके पूरे शरीर पर दीमक लग गई। लेकिन उन्होंने बिना तपस्या भंग किए निरंतर अपनी साधना पूरी की। इसके बाद ही आंखें खोली। फिर दीमकों को हटाया। कहा जाता है कि दीमक जिस जगह अपना घर बना लेते हैं, उसे वाल्मीकि कहते हैं, इसलिए इन्हें वाल्मीकि के नाम से जाना जाने लगा। एक और घटना एवं मान्यता के अनुसार एक बार महर्षि वाल्मीकि ने एक बार पत्थर पर लिखी रामायण को देखा तो हैरान रह गए और सोचने लगे कि इतनी अच्छी रामायण किसने लिखी। इतने में हनुमानजी वहां प्रकट हो गए और बताया कि यह उनकी लिखी रामायण है। वाल्मीकि इससे दुखी हुए और बताया कि आपकी लिखी रामायण को पढ़ने के बाद मेरी रामायण कौन पढ़ेगा? हनुमानजी ने वाल्मीकि के मनोभाव को जान कर पत्थरों पर लिखी अपनी रामायण को उठाकर समुद्र में फेंक दिया। हनुमानजी ने वाल्मीकि से कहा कि आपकी रामायण ही अबसे दुनिया पढ़ेगी और प्रसिद्ध होगी। निश्चित ही रामायण की कालजयी लोकप्रियता एवं जन-आस्था ने उसे सनातन साहित्य और सर्वप्रिय धर्मग्रंथ का गौरव प्रदान किया है। भारत के घर-घर एवं सभी देशों में रामायण हिन्दू-धर्म-दर्शन का वैश्विक दूत बन गया है। उसकी लोकप्रियता सर्वोपरि है एवं हिन्दू धर्म के अनुयायी बाल्मीकि के सदैव ऋणि रहेंगे।

आध्यात्म जगत के राजहंस हैं आचार्य विद्यासागर महाराज

प्रो. श्याम सुंदर भाटिया

बाईस बरस की उम्र में संन्यास लेकर दुनिया को सत्य-अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले आचार्यश्री विद्यासागर महाराज की एक झलक पाने लाखों लोग मीलों पैदल दौड़ते रहे हैं। आचार्य श्रेष्ठ के प्रवचनों में धार्मिक व्याख्यान कम और ऐसे सूत्र ज्यादा होते, जो किसी भी व्यक्ति के जीवन को सफल बना सकते हैं। कर्नाटक में जन्मे वह अकेले ऐसे संत हैं, जिनके जीवंत रहते उन पर अब तक 60 से अधिक पीएचडी हो चुकी हैं। हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, बंगला, कन्नड़, मराठी, प्राकृत, अपभ्रंश सरीखी भाषाओं के जानकार विद्यासागरजी का बचपन भी आम बच्चों की तरह बीता। गिल्ली-डंडा, शतरंज आदि खेलना, चित्रकारी स्वीमिंग आदि का इन्हें भी बहुत शौक रहा, लेकिन जैसे-जैसे बड़े हुए आचार्य श्रेष्ठ का आध्यात्म की ओर रुझान बढ़ता गया। आचार्य श्रेष्ठ का बाल्यकाल का नाम विद्याधर था। कर्नाटक के बेलगांव के ग्राम सदलगा में शरद पूर्णिमा (10 अक्टूबर, 1946) श्रेष्ठी श्री मल्लप्पा अष्टगे और श्रीमती अष्टगे के घर जन्मे आचार्य ने कन्नड़ के माध्यम से हाई स्कूल तक शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद वह वैराग्य की दिशा में आगे बढ़े और 30 जून, 1968 को मुनि दीक्षा ली। आचार्य का पद उन्हें 22 नवंबर, 1972 को मिला। आचार्य श्रेष्ठ की ज्ञान गंगा के सम्मुख करोड़ों-करोड़ लोग नतमस्तक रहे हैं। इनमें तमाम हस्तियां भी शामिल हैं। 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, 2018 में अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर, फ्रांसीसी राजनयिक अलेक्जेंड्रे जिग्लर, तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति सुरेश जैन उनका आशीर्वाद प्राप्त कर चुके हैं।
शरद पूर्णिमा पर उन पर तमाम आयोजन होते हैं। आचार्यश्री ने 28 जुलाई, 2016 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आमंत्रण पर मध्य प्रदेश विधानसभा में प्रवचन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आचार्यश्री को राज्य अतिथि का दर्जा दे रखा था। 20वीं और 21वीं शताब्दी के साहित्य जगत में एक नए उदीयमान नक्षत्र के रूप में जाने-पहचाने जाने वाले शब्दों के शिल्पकार, अपराजेय साधक, तपस्या की कसौटी, आदर्श योगी, ध्यान ध्याता-ध्येय के पर्याय, कुशल काव्य शिल्पी, प्रवचन प्रभाकर, अनुपम मेधावी, नवनवोन्मेषी प्रतिभा के धनी, सिद्धांतागम के पारगामी, वाग्मी, ज्ञानसागर के विद्याहंस, प्रभु महावीर के प्रतिबिंब, महाकवि, दिगम्बराचार्य श्री विद्यासागरजी की आध्यात्मिक छवि के कालजयी दर्शन आनंद से भर देते थे। सम्प्रदाय मुक्त भक्त हो या दर्शक, पाठक हो या विचारक, अबाल-वृद्ध, नर-नारी उनके बहुमुखी चुम्बकीय व्यक्तित्व-कृतित्व को आदर्श मानकर उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारकर अपने आपको धन्य मानते रहे हैं। आपने राष्ट्रभाषा हिन्दी में प्रेरणादायक

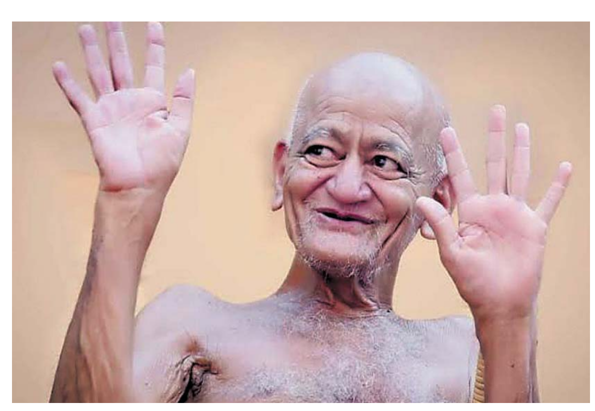

युगप्रवर्तक महाकाव्य 'मूकमाटी' का सर्जन कर साहित्य जगत में चमत्कार कर दिया। इसे साहित्यकार 'फ्यूचर पोयट्री' एवं श्रेष्ठ दिग्दर्शक के रूप में मानते हैं। विद्वानों का मानना है कि भवानी प्रसाद मिश्र को सपाट बयानी, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय का शब्द विन्यास, महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की छान्दसिक छटा, छायावादी युग के प्रमुख स्तंभ सुमित्रानंदन पन्त का प्रकृति व्यवहार, ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता महादेवी वर्मा की मसृष्ण गीतात्मकता, बाबा नागार्जुन का लोक स्पन्दन, केदारनाथ अग्रवाल की बतकही वृत्ति, मुक्तिबोध की फैंटेसी संरचना और धूमिल की तुक संगति आधुनिक काव्य में एक साथ देखनी हो तो वह 'मूकमाटी' में देखी जा सकती है।
आचार्य श्रेष्ठ का मातृभाषा प्रेम, देशभक्ति, हिंदी के प्रति अगाध आस्था जगजाहिर रहा है। वह हमेशा गर्व से कहते थे- हिंदी में लिखो, हिंदी बोलो, इंडिया नहीं, भारत बोलो, शिक्षा के साथ संस्कार पाओ, हथकरघा के वस्त्र अपनाओ, स्वदेशी पहनो, स्वावलंबन लाओ, भारतीय संस्कृति बचाओ। वह युवाओं को अपने आशीर्वचन में अकसर कहते थे, उन्हें अंग्रेजी मिटानी नहीं है बल्कि अंग्रेजी को हटाना है, क्योंकि इसके पीछे बहुत से कारण हैं। विश्व के कई देशों में अपनी मातृभाषा में ही शिक्षा दी जाती है। वे देश विकास की बुलंदियों पर हैं। फिर हमारा देश हिंदी को अपनाने में पीछे क्यों है? सर्वोच्च और उच्च न्यायालयों में करोड़ों वाद लंबित है। इसके मूल में भी कहीं न कहीं भाषा ही है। अपनी भाषा राष्ट्रभाषा से ही देश का विकास, जन-जन से जुड़ाव और ज्ञान का प्रकाश फैलाना संभव है। व्यापार की भाषा, बोलचाल की भाषा, प्रशासनिक भाषा, राष्ट्र भाषा या प्रादेशिक भाषा होनी चाहिए। आचार्यश्री मानते थे कुछ लोगों को लगता है अंग्रेजी का विरोध होने से हम बाकि देशों की भाषा से कट जाएंगे। अंग्रेजी के बिना तो कुछ भी नहीं है, यह केवल भ्रम है। आचार्य श्रेष्ठ युवाओं को नामचीन पत्रकार डॉ. वेद प्रताप वैदिक की पुस्तक- अंग्रेजी हटाओ क्यों और कैसे? को पढ़ने की सलाह दी थी, चूंकि उन्होंने भी इस पुस्तक का अध्ययन किया था। यह ही नहीं, डॉ. वैदिक रामटेक हो या नागपुर, वह समय-समय पर जैन संत शिरोमणि के दर्शनार्थ आते-जाते रहते थे।
आचार्य श्रेष्ठ मानते रहे हैं, वर्तमान शिक्षा नीति अपनी प्रासंगिकता खो चुकी है। शिक्षा धन से जुड़ गई है। आज की शिक्षा के साथ-साथ अनुभव नहीं है। डिग्री तो मिल जाती है, लेकिन सारी पढ़ाई-लिखाई करने के बाद भी नौकरी नहीं मिलती है। यह सब हमारे देश में पाश्चात्य शिक्षा का प्रभाव है। आज इतिहास को स्कूलों में लीपा-पोती करके पढ़ाया जाता है, हमारा पुराना इतिहास उठा कर देखो। आचार्यश्री ने कहा था, मैं भाषा के रूप में अंग्रेजी का विरोध नहीं करता हूं लेकिन अंग्रेजी भाषा को विश्व की अन्य भाषाओं के साथ ऐच्छिक रखना चाहिए। शिक्षा का माध्यम मातृभाषाएं ही हों। अंग्रेजों ने भारत की परंपरा के साथ चालाकी करके 'भारत' को 'इंडिया' बना दिया है। भारत के साथ हमारी संस्कृति और इतिहास जुड़ा है, लेकिन इंडिया ने भारत की भारतीयता, जीवन पद्धति, नैतिकता, रहन-सहन और खान-पीन सब कुछ छीन लिया है। आचार्य शिरोमणि ने यह सलाह भी दी थी, शिक्षा में शोधार्थी की रुचि, किसमें है, इसकी स्वतंत्रता होनी चाहिए। आज मार्गदर्शक के अनुसार शोधार्थी शोधकर्ता हैं। इससे मौलिकता नहीं उभर पा रही है। शिक्षा रोजगार पैदा करने वाली हो, बेरोजगारी बढ़ाने वाली नहीं हो, शिक्षा कोरी किताब नहीं हो।
नई शिक्षा नीति-एनईपी-2020 में मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा की खुशबू, व्यावसायिक शिक्षा, अंग्रेजी भाषा को वैकल्पिक भाषा, शिक्षा रोजगारपरक होने की तमाम खूबियों में आचार्यश्री की दूरदृष्टि सामाहित है। इसके पीछे बड़ा दिलचस्प और प्रेरणादायी किस्सा है। पदम विभूषण, इसरो के पूर्व अध्यक्ष एवं एनईपी कमेटी के चेयरमैन डॉ. कृष्णास्वामी कस्तूरीरंगन नई शिक्षा नीति के मसौदे के सिलसिले में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिले तो उन्होंने चेयरमैन डॉ. कस्तूरीरंगन को सलाह दी थी कि उन्हें एक बार आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज से जरूर मिलना चाहिए और उनकी बेशकीमती राय जाननी चाहिए। राष्ट्रपति की सलाह पर चेयरमैन डॉ. कस्तूरीरंगन अपनी कमेटी के और सदस्यों-प्रो.टीवी कट्टीमनी, डॉ. विनयचन्द्र बीके, डॉ. पीके जैन इत्यादि के संग 21 दिसम्बर, 2017 को दर्शनार्थ और चर्चार्थ छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ में विराजित आचार्यश्री से मिले। करीब 53 मिनट के इस बहुमूल्य संवाद और आशीर्वचन की झलक नई शिक्षा नीति में साफ-साफ दिखाई देती है। नई शिक्षा नीति के ड्राफ्ट दस्तावेज के पेज नं.-455 पर इसका स्पष्ट उल्लेख भी है। आचार्य के लिए धरती ही बिछौना था। आकाश ही ओढ़ौना था। दिशाएं ही वस्त्र बन गए थे। आध्यात्म जगत के इस राजहंस की स्मृतियों को सादर प्रणाम।
(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत-अमेरिकी रक्षा डील और चीन-पाकिस्तान की सांसें सील

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की चारों दिशाओं से सीमाओं को सुरक्षित करने की दृष्टि से एक अच्छी खबर आई है। अमेरिका के साथ 31 एमक्यू-9इ ड्रोन (प्रीडेटर ड्रोन) खरीदने की डील साइन कर ली गई है। वस्तुतः एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन को लेकर भारत-अमेरिका का यह अनुबंध इसलिए खास है क्योंकि इसके जरिए टारगेट को दूर से ही खत्म किया जा सकता है। इस ड्रोन को बनाने वाली कंपनी जनरल एटॉमिक्स, इसके मल्टीटैलेंटेड होने का दावा करती है। उसका कहना है कि जासूसी, सर्विलांस, इन्फॉर्मेशन कलेक्शन के अलावा एयर सपोर्ट बंद करने, राहत-बचाव अभियान और हमला करने के लिए इसका इस्तेमाल हो सकता है। ड्रोन 2177 किलोग्राम का पेलोड अपने साथ ले जा सकते हैं। इनमें लेजर गाइडेड मिसाइल, एंटी टैंक मिसाइल और एंटी शिप मिसाइलें लगी हैं। ये मानवरहित ड्रोन रिमोट से संचालित किए जाते हैं। एक साथ जमीन से लेकर आसमान और समंदर से लॉन्च किए जा सकते हैं।
यह एक बार उड़ान भरने के बाद 1900 किलोमीटर क्षेत्र की निगरानी कर सकता है। हालांकि भारत के पास पहले से ही चार ताकतवर ड्रोन मौजूद हैं, किंतु इनसे भारतीय बेड़े में शामिल होने से सेना की ताकत हवा में बहुत बढ़ जाएगी। अभी भारत के पास जो ड्रोन हैं, उनमें स्वार्म ड्रोन की यह खासियत है कि वह छोटे-छोटे ड्रोन्स में एक साथ मिलकर हमले को अंजाम देते हैं। इसी तरह से दूसरा हरोप ड्रोन एक इजराइली ड्रोन है। अभी भारतीय सेना के पास यह 150 से ज्यादा हैं। तीसरा, हेरॉन ड्रोन और चौथा सर्चर भी इजराइली ड्रोन हैं, जिसमें कि भारतीय सेना में हेरॉन ड्रोन की तैनाती लद्दाख क्षेत्र की नगरानी करने के लिए की गई है। वहीं, सर्चर ड्रोन को भारतीय सेना लंबी दूरी की सर्विलांस के लिए इस्तेमाल कर रही है। अब इस नए ड्रोन एमक्यू-9बी के सेना में शामिल होने के बाद भारत की सीमाओं की चौकसी करना और अधिक आसान होगा।
इसकी सबसे बड़ी खासियतों में बिना आवाज किए काम करने की है। यह जमीन से 250 मीटर की ऊंचाई पर उड़ सकता है। इसके बाद भी टारगेट को इसकी भनक नहीं लगती। यह 442 किलोमीटर की दूरी पर सिर्फ एक घंटे में पहुंच जाता है। पाकिस्तान-चीन या अन्य किसी सीमा पर ड्रोन को बहुत अधिक ऊंचाई पर उड़ाया जाएगा तो वह भारत की सीमा में रहते हुए भी यह जान लेगा कि उनकी सीमाओं के अंदर क्या चल रहा है। साथ ही ये ड्रोन हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस की कैटेगरी में आते हैं यानी कि यह

40 घंटे से अधिक समय तक किसी भी प्रकार के मौसम से प्रभावित हुए बिना उड़ान भर सकते हैं। ड्रोन की रेंज 1850 किलोमीटर तक है। एक तरीके से भारत के हाथ में ये ड्रोन आने के बाद इस्लामाबाद से लेकर पाकिस्तान से ज्यादातर शहर नई दिल्ली की जद में होंगे। यही स्थित भारत की दूसरी सीमाओं से सटे देशों की है।
यह सवाल महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत सरकार ने अमेरिका से इसी ड्रोन को खरीदने में अपनी सबसे ज्यादा रुचि क्यों दिखाई? जब इस प्रश्न का जवाब खोजने का प्रयत्न किया गया, तब अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट की वेबसाइट के अध्ययन से ध्यान में आया कि ये सर्च और रेस्क्यू से लेकर लॉ एनफोर्समेंट, बॉर्डर एनफोर्समेंट, काउंटर अटैक जैसे मिशन के लिए बेहद कारगर साबित होते रहे हैं और हर बार अपने को सिद्ध करते रहे हैं। अमेरिका ने जहां भी इनका प्रयोग किया, इसके जरिए वह जमीन से लेकर हवा तक अपने दुश्मनों को समाप्त करने के बहुत हद तक सफल रहा। साल 2022 में अमेरिका ने अलकायदा के खूंखार आतंकवादी अयमान-अल-जवाहिरी को काबुल में इन्हीं ड्रोन्स के जरिए ही मार गिराया। वह बालकनी में टहलने के लिए निकला तभी उस पर रीपर ड्रोन से दो हेलफायर मिसाइलें दागी गईं। इस तरह से अमेरिका ने 9/11 हमले का बदला ले लिया। इतना ही नहीं अमेरिका ने इस ड्रोन की ताकत को देखते हुए ही इन्हें सोमालिया, यमन और लीबिया में इस्तेमाल किया और अभी भी निगरानी के तौर पर इनका इस्तेमाल पुरी दुनिया में अमेरिका द्वारा किया जा रहा है। वह अमेरिका का रीपर ड्रोन ही था, जिससे अलकायदा के ओसामा बिन लादेन की निगरानी की और उसे नेवी सील्स द्वारा 2011 में पाकिस्तान के ऐबटाबाद में मार गिराने में सफलता हासिल हुई।
इस ड्रोन की मारक क्षमता और ताकत को देखते हुए ही मोदी सरकार पिछले एक साल से अमेरिका के पीछे पड़ी थी कि इन्हें भारत को मुहैया कराया जाए। इसके लिए क्वाड समिट से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात भी की थी। इस मुलाकात में भारत की अमेरिका से एमक्यू 9बी प्रिडेटर ड्रोन्स की डील पक्की हुई। इसमें भी एक अच्छी बात अनुबंध के समय यह रही है कि सुरक्षा कारणों को देखते हुए मोदी सरकार ने सभी निर्णय अपने समर्थन के करवाए। मसलन, डील के अनुसार जनरल एटॉमिक्स कंपनी ड्रोन के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल के लिए भारत में केंद्र खोलेगी। समझौते के तहत भारतीय नौसेना को 15 ड्रोन दिए जाएंगे, जबकि भारतीय वायुसेना और थलसेना को आठ-आठ ड्रोन दिए जाएंगे। इनको भारत की चारों दिशाओं में तैनात किया जाएगा।
अब रक्षा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इन मानव रहित विमानों का इस्तेमाल एयरबोर्न अर्ली वार्निंग, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, एंटी-सरफेस वॉरफेयर और एंटी-सबमरीन वॉरफेयर में किया जा सकता है। निश्चित ही इससे भारत को बहुत ताकत मिलेगी। ये अनुबंध दोनों देशों के रक्षा साझेदारी को बढ़ावा देगा, जिसमें सैन्य इंटरऑपरेबिलिटी, इंटेलिजेंस-शेयरिंग, स्पेस और साइबर सहयोग शामिल हैं। इसके साथ ही दोनों देशों की सेना खुफिया जानकारी साझा करेगी। इससे सभी क्षेत्रों में भारत की सशस्त्र सेनाओं की खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं में वृद्धि होगी। भारत एलएसी से लगे एरिया में चीन को भनक लगे बिना उसकी निगरानी करने में और अधिक सक्षम होगा। वहीं, उसे साउथ चाइना सी में चीन की घुसपैठ को रोकने के इस ड्रोन की मदद से बहुत मदद होगी। सीमाओं की चौकसी को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए अंत में यही कहना होगा, धन्यवाद भारत सरकार!, धन्यवाद मोदी सरकार!
(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

भाजपा शासन में जनता की सुनवाई नहीं,उप चुनाव में देगी जवाब: डोटासरा

चमकता राजस्थान (अत्री कुमार दाधीच)

जयपुर, 16 अक्टूबर। प्रदेश में 7 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव की घोषणा हो चुकी है और भारतीय जनता पार्टी को 7 में से शून्य सीट मिलेगी क्योंकि प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार इस आस से बनायी थी कि जनता के लिए कार्य करेंगे किन्तु मुख्यमंत्री चयन, मंत्रीमण्डल के गठन, ब्यूरोक्रेसी को दी गई पोस्टिंग, योजनाओं की क्रियान्विति, बजट सभी क्षेत्रों में जनता को निराशा हाथ लगी है। चुनाव पूर्व भाजपा ने जो वादे किए थे उनकी क्रियान्विति हेतु कोई कार्य भाजपा की राज्य सरकार ने नहीं किया। उक्त विचार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम, के लॉन में प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि पर्ची से चुनी हुई सरकार भ्रमण, भाषण और भ्रमित करते-करते सर्कस में बदल गई है, मंत्री के इस्तीफे हो गए और केबिनेट मंत्री भाजपा मुख्यालय में बैठकर कह रहा है कि ''मुख्यमंत्री जी मेरा इस्तीफा स्वीकार करें'' किन्तु आज तक भाजपा सरकार उनके इस्तीफे पर कोई निर्णय नहीं ले सकी है। उन्होंने कहा कि एक दिन मंत्री के रूप में लेटर हेड पर अनुशंषा करते है दूसरे दिन विधायक के रूप में अनुशंषा करते है। उन्होंने कहा कि इस्तीफा दिए हुए मंत्री मंत्रिमण्डल की बैठक में भी शामिल होते है और जनता सोचती है कि मंत्री के रूप में कार्य करेंगे और अगले दिन ही बयान देते है कि उनका मंत्री पद से कोई सरोकार नहीं है वे तो भर्ती परीक्षा रद्द करवाने हेतु मंत्रिमण्डल की बैठक में चले गए थे, इसीलिए प्रदेश की जनता ने इस सरकार को सर्कस का नामकरण किया है। उन्होंने कहा कि अब यह सरकार यू-टर्न की सरकार बन गई है, क्योंकि वर्तमान भाजपा सरकार अपना एक भी फैसला लागू नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग में पूर्व में घोषणा की गई थी कि 100 दिवस में ट्रांसफर पॉलिसी बनायी जाएगी, उस पर यू-टर्न ले लिया। अंग्रेजी महात्मा गांधी स्कूलों को हिन्दी मीडियम में बदलने की घोषणा की गई, उस पर भी यू-टर्न ले लिया। सरकार ने मोबाईल स्कूलों में लाने पर प्रतिबन्ध लगाया उस पर यू-टर्न ले लिया। घोषणा हुई थी कि प्रारम्भिक शिक्षा पंचायती राज से 6 डी के माध्यम से माध्यमिक शिक्षा में ट्रांसफर करेंगे, यह घोषणा भी भाजपा सरकार ने वापस ले ली। यह भी घोषणा हुई थी कि जो सरप्लस टीचर है अगेनस्ट पोस्ट लगे हुए है उनका समायोजन किया जाएगा, यह घोषणा भी वापस हो गई। रिक्त पदों पर भी नियुक्ति नहीं हुई। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री ने बच्चों के लिए दूध से पोषण देने वाली योजना को बंद करने की घोषणा की थी और मोटा अनाज देने की बात कहीं गई किन्तु यह भी लागू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि अब तो अति हो गई जब शिक्षा विभाग में ट्रांसफर की लिस्ट जारी हुई और तीन घण्टे बाद ही वह निरस्त हो गई। उन्होंने कहा कि यूडीएच विभाग के मंत्री ने नगर निकायों में सहवृत्त सदस्यों की सूची जारी की वो भी 24 घण्टे के भीतर स्थगित हो गई। उन्होंने कहा कि यह उदाहरण है जिसके कारण आज भाजपा की प्रदेश सरकार का नामकरण यू-टर्न की सरकार हो गया है। उन्होंने कहा कि जनता का भारतीय जनता पार्टी तथा भाजपा की प्रदेश सरकार से मोहभंग हो चुका है। उन्होंने कहा कि जन कल्याण के लिए भाजपा की प्रदेश सरकार ने गर्मियों में प्रदेशवासियों के लिए ना तो पानी की व्यवस्था की और ना ही बिजली की व्यवस्था कर पायें। उन्होंने कहा कि बरसात के पश्चात प्रदेशभर में सड़कें टूटी पड़ी है उन्हें सुधारने के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा कि अतिवृष्टि से किसान की फसल खराब हो गई उसके मुआवजे के लिए ना तो सरकार ने कोई कदम उठाए है और ना ही इस पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि जनता के दुःख, तकलीफों की अनदेखी कर भाजपा सरकार के मुखिया विदेशों में भ्रमण कर रहे है जबकि विदेशों में कोई इनसे मीटिंग नहीं कर रहा है, केवल होटल में बैठ कर पर्यटकों की तरह भ्रमण कर रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कुशासन को जनता देख रही है और होने वाले विधानसभा उपचुनावों में भाजपा को सबक प्रदेशवासी सिखाएंगे।

उन्होंने कहा कि जनता ने जनहित के कार्य करने के लिए प्रदेश में सरकार का गठन किया था किन्तु जन कल्याण का एक भी कार्य भाजपा सरकार ने नहीं किया है। उन्होंने कहा कि आज भाजपा का एक विधायक अथवा मंत्री इस सरकार में कोई कार्य करवाने का दावा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी का मनोबल टूटा पड़ा है गुटों में बंटी हुई भाजपा से जनता त्रस्त है। उन्होंने कहा कि जनता ने तो सरकार बनायी थी किन्तु प्रतिदिन सर्कस देखने को मिल रहा है क्योंकि गर्वनेन्स नजर नहीं आ रही है और हद तो तब हो गई जब एसपी जैसे महत्वपूर्ण पद पर बैठी हुई अधिकारी की जासूसी लोकेशन ट्रेस कर उन्हीं के मातहत पुलिसकर्मी कर रहे हैं और सरकार के द्वारा कोई कड़ी प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थिति में भारतीय जनता पार्टी किस मुंह से महिला सशक्तिकरण की बात कर रही है, आये दिन नाबालिग बच्चियों के साथ बलात्कार की घटनाएं सुर्खियां बन रही हैं, माफिया हावी है चाहे खनन माफिया हो, लैण्ड माफिया हो, कोई कार्यवाही सरकार द्वारा इन्हें रोकने के लिए नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि सरकार के दायित्व निभाने की बजाए बयानबाजी में सरकार के मंत्री उलझे हुए है कभी कुछ मंत्री एसआई भर्ती परीक्षा निरस्त करने की बात कहते है तो कभी कोई मंत्री ऐसा कोई निर्णय नहीं लिए जाने की जानकारी देते है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को यह सर्कस बंद कर इस मुद्दें पर तुरन्त निर्णय कर प्रदेश के युवाओं और बेरोजगारों के लिए नई भर्तियां निकाल कर रोजगार देने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के गठन होने के 10 माह बीतने के बाद भी भाजपा नेता कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार को कोसने का काम कर रहे है तथा आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति करते हुए कांग्रेस सरकार के समय पेपर लीक होने की बात कह रहे हैं जबकि पेपर लीक देशभर में हुए केन्द्र सरकार द्वारा करवायी गयी नीट परीक्षा का भी पेपर लीक हो गया और मुकदमें दर्ज हुए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने तो रीट का पेपर लीक होने के पश्चात परीक्षा निरस्त कर दुबारा परीक्षा करवा कर युवाओं को नियुक्ति दे दी थी लेकिन इस मुद्दें पर बिना कारण आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भाजपा कब तक करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार को अब सर्कस बंद कर गुड गर्वनेन्स पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जनता के लिए अच्छी योजनाएं लागू करते हुए प्रदेशवासियों के बीच जाकर उनके दुःख, तकलीफों की जानकारी लेनी चाहिए।उन्होंने कहा कि दिखावे के लिए भाजपा ने एक बार प्रदेश कार्यालय में जनसुनवाई करने की घोषणा की थी किन्तु ढ़ाई घण्टे की जनसुनवाई के पश्चात आज तक भाजपा सरकार ने कोई जनसुनवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासी समझ नहीं पा रहे है कि अपनी वेदनाएं किसके समक्ष प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में प्रतिदिन प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर जनसुनवाई होती थी और प्रदेशवासियों की दुःख, तकलीफों को सुनकर उनकी पीड़ा को दूर करने का कार्य किया जाता था किन्तु भाजपा शासन में जनता की सुनवाई नहीं हो रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में होने वाले सातों विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश कांग्रेस ने पूरी तैयारी कर ली है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए एक सीनियर ऑब्र्जवर, संगठन के दो पदाधिकारी संगठनात्मक कार्यों के लिए संगठन इंचार्ज तथा वरिष्ठ नेताओं को चुनाव प्रभारियों के रूप में जिम्मेदारी प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक सक्रियता के लिए पूर्व में बनायी गयी समितियों द्वारा सातों विधानसभा क्षेत्रों के 77 मण्डलों में बूथ कार्यकर्ताओं की बैठक ली जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस के सचिव तथा प्रदेश के तीनों सह प्रभारियों को दो-दो, तीन विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है जो 18-19 अक्टूबर तक संबंधित क्षेत्र में जाकर संगठन की बैठक लेंगे एवं कार्यकर्ताओं व नेताओं से प्रत्याशी चयन हेतु फीडबैक लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी को अवगत करवाएंगे जिसके पश्चात प्रत्याशी चयन का पैनल बनाकर प्रदेश कांग्रेस अपनी अनुशंषा अखिल भारतीय कांग्रेस के समक्ष प्रस्तुत करेगी। उन्होंने कहा कि आलाकमान द्वारा चयनित प्रत्याशी को जिताने के लिए कांग्रेस के सभी नेता एवं कार्यकर्ता एकजुटता के साथ कार्य करेंगे तथा सातों विधानसभा क्षेत्रों में जीत दर्ज करवाएंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन संबंधी सभी निर्णय आलाकमान द्वारा लिए जाते हैं तथा प्रदेश कांग्रेस सभी सातों विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ कर जीतने की तैयारी कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम की मीडिया टीम के सदस्यों की बैठक लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

सर्विस इंप्रूवमेंट ग्रुप (एसआईजी) की टीम ने धौलपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में व मंडल वाणिज्य प्रबंधक बी.एस चौहान के नेतृत्व में सर्विस इंप्रूवमेंट ग्रुप टीम के द्वारा स्टेशन के एक सिरे से दूसरे सिरे तक निरीक्षण किया जिसके अंतर्गत स्टेशन , प्रतीक्षालय कक्ष , प्लेटफॉर्म, कैटरिंग स्टाल, बुकिंग ऑफिस, सर्कुलेटिंग एरिया , रिजर्वेशन ऑफिस व वाटर बूथ आदि का गहनता पूर्वक निरीक्षण किया व उसके बारे मे दिशा-निर्देश दिए एवं जिस बिन्दुओं पर इंप्रूवमेंट की जरूरत थी उसको संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। यात्री सुविधाओं के रखरखाव और उन्हें बेहतर बनाने हेतु मंडल केअधिकारियों द्वारा स्टेशन पर कार्यरत निरीक्षक एवं पर्यवेक्षकों को काउंसिल किया गया व स्टेशन की सा×फ - सफाई उच्च स्तरीय बनाये रखने हेतु विशेष जोर दिया गया। स्टेशन में जो भी कमियां और जरूरत है उसे दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए जाते है । जिससे यात्रियों की सुविधायों में बढ़ोत्तरी की जा सके तथा उन्हें कम से कम असुविधायों का सामना करना पड़े इस निरीक्षण के दौरान मंडल वाणिज्य प्रबंधक बी एस चौहान के साथ डीएमओ डॉ. बीनाकुश, सहायक सुरक्षा आयुक्त टी के अग्निहोत्री, सहायक विद्युत इंजीनियर पी सी अग्रवाल व अन्य अधिकारी व कर्मचारी शामिल थे।

पत्रकार संघ ने गृह राज्य मंत्री से भेंट कर पत्रकार सम्मेलन के लिए दिया स्मरण पत्र

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण)। धौलपुर की प्रमुख खबर- आज एक दिवसीय दौरे पर धौलपुर पहुंचे जवाहर सिंह वेढम गृह राज्य मंत्री राजस्थान सरकार को सर्किट हाउस में भारतीय पत्रकार सेवा संस्थान के जिला अध्यक्ष अनुराग मुद्गल के नेतृत्व में संगठन के सदस्य पत्रकारों ने 19 अक्टूबर को नगर परिषद ऑडिटोरियम धौलपुर में आयोजित होने वाले विशाल पत्रकार मिलन एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। जिन्हें आज पुनः स्मरण पत्र देकर सम्मेलन में उपस्थित होने का अनुरोध किया गया। इस अवसर पर बीजेएसएस के प्रदेश महासचिव गोपेश राज पचौरी एवं पत्रकार संघ के जिले के पदाधिकारी भानु शर्मा, हरवीर शर्मा, सत्य प्रकाश शर्मा, संतोष शर्मा,दुर्गा शरण दुबे, आकाश पचौरी, रामदास तरुण, सोमेंद्र मंगल सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

जयपुर मेट्रो ने किया अपनी यात्री सेवाओं को विशेष योग्यजन हेतु सुलभ बनाने के लिए विभिन्न सुविधाओं का कार्यान्वयन: वैभव गलारिया

जयपुर मेट्रो में विशेष योग्यजन को प्रदत्त समावेशी सुविधाओं का राज्य आयुक्त, विशेष योग्यजन द्वारा सुगमता निरीक्षण

चमकता राजस्थान

जयपुर। राज्य आयुक्त- विशेष योग्यजन राजस्थान, उमा शंकर शर्मा एवं 02 सदस्यीय दल द्वारा दिनांक 16.10.2024 को जयपुर मेट्रो स्टेशनों पर विशेष योग्यजन सुगमता निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने जयपुर मेट्रो के सभी पूर्णकालिक निदेशकों के साथ चर्चा की। मेट्रो ट्रेन द्वारा मानसरोवर मेट्रो स्टेशन से छोटी चौपड़ मेट्रो स्टेशन तक निरीक्षण किया, इस निरीक्षण के दौरान निदेशक (परिचालन एवं प्रणाली) अखिलेश कुमार सक्सैना एवं परिचालन विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहें। उन्होने निरीक्षण के क्रम में जयपुर मेट्रो द्वारा विशेष योग्यजन के लिए प्रदान की गई मुख्य सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा मेट्रो स्टेशनों पर विशेष योग्यजन हेतु निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप उपलब्ध व्हील चेयर सहायता, विशेष पार्किंग, रैंप और रेलिंग की सुविधा, टैक्टाइल

पथ, विशेष योग्यजन शौचालय, चौड़े स्वचालित फ्लैप गेट्स, ट्रेनों में आरक्षित स्थान, सुलभ साइन बोर्ड और लिफ्ट, लिफ्ट में ब्रेल साइन बोर्ड और विशेष रूप से चौड़े प्रवेश द्वार, निरीक्षण-विजुअल सूचना प्रणाली जैसी बुनियादी सुविधाओं का गहराई से निरीक्षण किया तथा सभी सुविधाए अच्छे प्रकार से एवं फ्द्धद्दऊअधिनियम 2016 के अनुरूप पाये जाने पर उन्होने जयपुर मेट्रो की सहराना की। साथ ही यह भी पाया गया कि जयपुर मेट्रो के सभी स्टेशनों पर विशेष योग्यजन की सहायता के लिए जयपुर मेट्रो पुलिस भी सदैव तत्पर रहती हैं।

उनके द्वारा जयपुर मेट्रो में विशेष योग्यजन शौचालय तक उपलब्ध कराई गई हैण्डरेल एवं टैक्टाइल पथ की सुविधा को बेहद सराहनीय बताया गया। सदस्यीय दल द्वारा मेट्रो स्टेशन पर विशेष योग्यजन शौचालय की कुछ फोटो भी ली गयी ताकि उसे अन्य विभागों में एक अनुकरणीय व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। श्रीमान्‍ राज्य आयुक्त नें मेट्रो प्रशासन को कुछ नवीन कदम के संदर्भ में सुझाव भी बताए, जिसमे प्रमुखतया विशेष योग्यजन की सांकेतिक भाषा को समझने के लिए दफउङ्गी लगवाने, विशेष योग्यजन शौचालय में आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए अलार्म बटन लगाने एवं विशेष योग्यजन के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था से स्टॉफ को प्रक्षिशण दिलाना जैसे कदम उठाना शामिल है।

उन्होने मेट्रो स्टेशनों पर विशेष योग्यजनों हेतु उपलब्ध सुविधाओं को अन्य विभागों के लिए अनुकरणीय बताया तथा उन्होने अन्य विभागो के अधिकारियों को मेट्रो स्टेशनों आकर पर उपलब्ध सुविधाओं को देखने का सुझाव दिया।

जयपुर मेट्रो प्रारम्भ से हीं समावेशी वातावरण बनाने में हमेशा प्रतिबद्ध रहा है, जहाँ सभी यात्री, चाहे उनकी शारीरिक क्षमता कुछ भी हो, बिना किसी कठिनाई के और सम्मान पूर्वक यात्रा कर सकें। इन सुविधाओं का कार्यान्वयन मेट्रो परिवहन को सभी के लिए सुलभ बनाने के व्यापक उद्देश्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक वैभव गलारिया ने बताया कि जयपुर मेट्रो ने अपनी यात्री सेवाओं को विशेष योग्यजन हेतु अधिक सुलभ बनाने के लिए विभिन्न सुविधाओं का कार्यान्वयन किया है। यह सुविधाएं फ्द्धद्दऊ अधिनियम 2016 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुरूप हैं, तथा इनको अच्छे से लगातार बनाये रखने के लिए कार्य किया जाता हैं। ताकि विशेष योग्यजन जयपुर मेट्रो में आत्मनिर्भरता, पूर्ण आत्मविश्वास और सुलभता के साथ यात्रा कर सकें।

यूटीआई फ्लेक्सी कैप फंड- व्यापार स्थिरता पर जोर देने वाला एक फ्लेक्सी-कैप पोर्टफोलियो, जो 1992 से संपत्ति बना रहा है

चमकता राजस्थान

जयपुर। एक यथार्थवादी वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करना किसी भी निवेशक के लिए सफल निवेश की दिशा में पहला कदम है. एक निवेश विकल्प की तलाश करते समय यह देखना महत्वपूर्ण है की वह क्या है जिससे आपको लगातार फायदा मिलता है. साथ ही, लंबी अवधि में बेहतर परिणाम से जुड़े जोखिम को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है. वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए म्यूचुअल फंड विकल्प अपनाया जा सकता है. परिसंपत्ति वर्ग में उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला से निवेश का चयन करते हुए लंबी अवधि में यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है. यह एक म्युचुअल फंड उत्पाद श्रेणी है जिसे निवेशक लंबी अवधि के धन सृजन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए निवेश कर सकते हैं.

फ्लेक्सी-कैप फंड ओपन-एंडेड इक्विटी फंड हैं, जो कुल संपत्ति का कम से कम 65% विभिन्न बाजार पूंजीकरणों जैसे लार्ज-कैप, मिड-कैप या स्मॉल-कैप फंड में कंपनियों की इक्विटी संपत्ति में निवेश करता है. यूटीआई फ्लेक्सी कैप फंड श्रेणी के सबसे पुराने फंडों में से एक है (1992 में लॉन्च किया गया) और लगातार बेहतर प्रदर्शन का इसका दीर्घकालिक ट्रैक रिकॉर्ड है. इसके पास 27700 करोड़ का अभी कार्पस फंड है (30 सितंबर 2024 तक). यूटीआई म्युचुअल फंड की यह पेशकश किसी भी लंबी अवधि के निवेशक के लिए उपयुक्त है जो ऐसे फंड की तलाश में है जो निवेशकों के लिए आर्थिक मूल्य बनाने की क्षमता वाले व्यवसायों में निवेश करने का प्रयास करता है.

यूटीआई फ्लेक्सी कैप फंड का निवेश दर्शन गुणवत्ता, विकास और मूल्यांकन के तीन स्तंभों पर बनाया गया है. पोर्टफोलियो रणनीति उन व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए होगी जो लंबी अवधि के लिए मजबूत विकास दिखाने की क्षमता रखते हैं और अनुभवी प्रबंधन द्वारा चलाए जा रहे हैं. 'क ालिटी' लंबे समय तक नियोजित पूंजी (आरओसीईई) या रिटर्न ऑन इक्विटी (आरओई) पर उच्च रिटर्न बनाए रखने के लिए व्यवसाय की क्षमता को दर्शाता है. वास्तव में उच्च गुणवत्ता वाले व्यवसाय वे हैं जो अपने संबंधित उद्योगों या क्षेत्रों के लिए कठिन समय के दौरान भी उच्च आरओसीई और आरओई उत्पन्न करने में सक्षम हैं और इसलिए हर समय अपनी पूंजी की लागत से ऊपर काम करते हैं. कई बार, उच्च आरओसीई/आरओई वाला व्यवसाय मजबूत नकदी प्रवाह उत्पन्न करने में सक्षम होगा और ये मजबूत नकदी प्रवाह आर्थिक मूल्य निर्माण का स्त्रोत बन जाते हैं.

दूसरी ओर ₹ग्रोथ₹ व्यवसाय के लिए दीर्घकालिक विकास का प्रतीक है. फंड उन व्यवसायों पर जोर देता है जिनके पास चक्रीय और अस्थिर विकास के बजाय स्थिर और अनुमानित विकास प्रक्षेपवक्र है. चक्रीय विकास या गिरावट बहुत तेज और अप्रत्याशित हो सकती है और दोनों दिशाओं में निवेशकों को आश्चर्यचकित कर सकती है. उच्च गुणवत्ता वाले व्यवसाय आर्थिक मूल्य पैदा करते हैं, एक हाई ग्रोथ व्यवसाय इस आर्थिक मूल्य के चक्रवृद्धि को सक्षम बनाता है. ऐसा इसलिए है कि स्टॉक चयन के लिए फंड गुणवत्ता और ग्रोथ पर ध्यान देता है.

फंड के निवेश दर्शन का अंतिम स्तंभ ₹मूल्यांकन₹ है. मूल्यांकन एक बड़े बिजनेस में प्रवेश बिंदु के रूप में एक महत्वपूर्ण मीट्रिक है और इसलिए स्टॉक में प्रवेश करने से पहले इसे बहुत सावधानी से अध्ययन करना चाहिए. हालांकि कमाई का मूल्य (पी/ई) मल्टीपल किसी व्यवसाय के मूल्यांकन को समझने के लिए एक अच्छा प्रारंभिक बिंदु है. लेकिन यह व्यापक रूप से गलत समझा गया मूल्यांकन तकनीक भी है. पी/ई फर्म के नकदी प्रवाह और लंबी अवधि में मूल्य निर्माण क्षमता के लिए केवल एक शोर्टहैण्ड मीट्रिक है. कई बार हाई आरओसीई और हाई ग्रोथ बिजनेस लंबी अवधि में अधिक मूल्य बनाता है और इसलिए गणितीय रूप से हाई पी/ई के लायक होगा. यह अभी भी लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक आकर्षक निवेश होगा, जो अगले कुछ महीनों या तिमाहियों में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर व्यापार बुनियादी सिद्धांतों के आधार पर निवेश करते हैं. इसलिए, पूरी तरह से पी/ई को देखकर किसी निर्णय पर पहुंचने से पहले, प्रत्येक व्यवसाय की विशेषताओं का ध्यानपूर्वक अध्ययन करना होगा और फिर उनमें से प्रत्येक के लिए उचित मूल्यांकन बैंड स्थापित करना होगा. पी/ई जितना दिखाता है उससे कहीं अधिक छुपाता है. इसलिए इस तथ्य पर भी हमेशा विचार किया जाना चाहिए. आरओसीई के संदर्भ में, व्यापार में पुनर्निवेश का अवसर और मुक्त नकदी प्रवाह देखा जाना चाहिए.

फंड निवेश की ₹ग्रोथ₹ शैली का पालन करते हुए बाजार पूंजीकरण स्पेक्ट्रम में निवेश करता है. स्कीम के शीर्ष दस होल्डिग में एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, माइंडट्री लिमिटेड, एवेन्यू सुपर्मार्ट्स, इंफोसिस लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, इन्फो एज (इंडिया) लिमिटेड, जोमैटो लिमिटेड ट्रेंट लिमिटेड आदि शामिल हैं. 30 सितंबर 2024 तक पोर्टफोलियो के कॉर्पस का लगभग 42% हिस्सा इन्हीं शेयर्स में है.

यूटीआई फ्लेक्सी कैप फंड उन इक्विटी निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो अपने 'कोर' इक्विटी पोर्टफोलियो का निर्माण करना चाहते हैं और आर्थिक मूल्य उत्पन्न करने वाले गुणवत्ता वाले बिजनेस में निवेश के माध्यम से दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि चाहते हैं. मध्यम जोखिम-प्रोफाइल वाले निवेशक और कम से कम 5 से 7 वर्षों के लिए निवेश करना चाहते हैं. निवेशक लंबी अवधि के वित्तीय लक्ष्य को पूरा करने के लिए इसमें निवेश करने पर विचार कर सकते हैं.

हरियाणा के साथ कश्मीर में भाजपा का समर्थन बढ़ा, अब राजस्थान उपचुनावों में भी जनता भाजपा के साथः मदन राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विधानसभा उपचुनावों की सभी 7 सीटों पर जीत का दावा करते हुए कहा कि हरियाणा के साथ कश्मीर में भी भाजपा को जनता का आशीर्वाद मिला है। ऐसे में उपचुनावों में भी प्रदेश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों और योजनाओं के आधार पर भाजपा प्रत्याशी को भारी मतों से जीताकर विधानसभा भेजेगी। विपक्षी पार्टी ने विधानसभा चुनावों में भ्रम फैलाने का काम किया था लेकिन जनता के आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी ने विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करवाई, अब उपचुनावों में भी सभी 7 सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीतेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की जनता ने 5 साल तक होटल और रिसोर्ट से चलने वाली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल को देखा है, कुर्सी बचाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नकारा, निकम्मा जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे। लेकिन अब प्रदेश में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार जनता के लिए काम कर रही है और जनता के सरोकार से जुड़ी है। राजस्थान के युवाओं के सपने साकार करने के लिए एक ओर भर्ती कैलेंडर जारी किया जा रहा है, तो दूसरी ओर राइजिंग राजस्थान के माध्यम से रोजगार लाने के लिए निवेशकों से एमओयू किए जा रहे है। इसकी बानगी राजस्थान में फिल्म सिटी के लिए एमओयू और फिर जमीन आवंटन की कार्यशैली को देखा जा सकता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ कहा कि भाजपा उपचुनावों में सरकार के विकास के कार्यों को लेकर जनता के बीच जाएगी और कांग्रेस से सीटें छीनने के साथ सभी सीटों पर जीत दर्ज कराएंगे। भाजपा में टिकट वितरण केंद्रीय नेतृत्व जनता की राय और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर करता है। इसमें किसी का चेहरा नहीं देखा जाता बल्कि व्यक्ति की निष्ठा, सेवाभाव और कर्त्तव्य परायणता के साथ जनता का मत देखा जाता है। आज के बदले हुए समीकरणों के अनुसार टिकट का वितरण होगा। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में भ्रम फैलाया, लेकिन अब समीकरण अलग है। जो जन सेवा के लिए मैदान में है, उसको उतारा जाएगा। भाजपा ऐसा संगठन है जहां एक राय होकर काम करते है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अब वो समय आ गया है जब जनता को बरगलाने से काम नहीं चलेगा। जनता विकास और कार्य के नाम पर वोट देती है। भाजपा की रणनीति साफ और स्पष्ट है कि केंद्र और राज्य सरकार के कार्यों के साथ योजनाओं को आधार बनाकर चुनाव लड़ा जाएगा। भाजपा संगठन मजबूत है, यहां बूथ से लेकर जिला स्तर तक के कार्यकर्ताओं द्वारा सतत रूप से आमजन से संपर्क किया जा रहा है। भाजपा का सदस्यता अभियान इसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त शहर जयपुर के सीटी डिविजन सेकंड में वर्क ऑर्डरों की तारीखें निकलने के बाद बैक डेट में बन रहे बिल

चमकता राजस्थान

जयपुर। उपमुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग कि मंत्री दिया कुमारी भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के प्रति कटिबद्ध है, लेकिन कांग्रेस राज में जमे कुछ अधिकारी अभियन्ता अभी भी भ्रष्टाचार की गंगा बहा रहे हैं , ताज़ा मामले में सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त शहर जयपुर के सीटी डिविजन सेकंड में कई वर्क ऑर्डरों में कार्य पूर्ण होने की तिथि निकलने के नो माह बाद बिना कार्य पूर्ण हुए बैक डेट में फ़ाइनल बिल बनने का मामला सामने आया है मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक निर्माण विभाग में चार -पाँच माह पूर्व वर्क ऑर्डर की तारीखें निकालने के बाद बाद अब दीपावली पर बैक डेट में बिल बनाने का सिलसिला शुरू हो गया है, ताकि दीपावली की आड़ में भुगतान हो सके ,चमकता राजस्थान ने यह मामला पूर्व में भी उठाया था लेकिन अब तक पेंडिंग वर्क ऑर्डर के मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई परिणामस्वरूप वर्क ऑर्डर लेने वाली फर्में अब बिना कार्य किए पेंडिंग कार्यों के बिलों के भुगतान के लिए अब बिल बनाकर पेश कर रहे हैं !

ऐसे अधिकारी विभाग एवं विभाग के मंत्रियों की बदनामी का कारण बनते हैं !

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कई वर्क ऑर्डरों में पिछले कई माह से तिथि निकल चुकी, लेकिन अधिकारियों ने तो ठेकेदारों पर पेनल्टी लगायी न ही कार्य वापस लेने का नोटिस जारी किया।

यह समाचार चमकता राजस्थान में पूर्व में भी प्रकाशित किया जा चुका है कि ठेकेदार टेंडर लेकर वर्क आर्डर जारी किए जाने की तिथि के पश्चात निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण न करने के पश्चात भी पुरानी तिथियों में बिल बनाकर पैसा उठा लेते हैं, अधिकारियों को चाहिए था की ऐसे ठेकेदारों की पहचान कर इस पर विराम लगाया जाए।

ऐसे कार्यों को सूचीबद्ध कर संबंधित ठेकेदार को फाइनल नोटिस जारी किया जाता !

यदि इस नोटिस पर भी ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य शुरू नहीं किया तो वर्क ऑर्डर निरस्त किया जाता!

साथ ही इनको ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाती!

इसके साथ ही ठेका शर्तों का उल्लंघन करने पर अमानत और अंतर की राशि को सीज करने का आदेश दिया जाता !

साथ ही जिन ठेकेदारों ने वर्क ऑर्डर मिलने के बाद फिजिकली काम शुरू नहीं किया उनका वर्क ऑर्डर रद्द किया जाता !

लेकिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण अब ठेकेदार पुरानी तारीख़ों में बिल पेश कर भुगतान उठाने की तैयारी कर रहे हैं इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की आवश्यकता है।

प्रेस क्लब का अध्यक्ष अमित कुमार बनने पर जिले में शुभचिंतकों ने दी बधाई उन्देरिया का किया भव्य स्वागत

चमकता राजस्थान। भरतपुर। जिले की उपखंड रूपबास में बीते दिन सोमवार कस्बे के पत्रकार अमित कुमार उन्देरिया का दाहिना गांव में प्रेस क्लब अध्यक्ष बनने पर स्वागत किया गया.जानकारी के मुताबिक अमित कुमार उन्देरिया करीब दस साल से अपनी सच्ची ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष निडर के साथ सच्चाई के साथ पत्रकारिता में बने हुये हैं जो पहले जिला धौलपुर में थे और अब राज्य के जिला भरतपुर में पत्रकारिता में बने हुये हैं।

जानकारी में अमित कुमार उन्देरिया बर्ष 2014 में वन विभाग में अजमेर से ड्राइवरी पोस्ट से सलेक्ट हुये थे जो रिट लगने के कारण कोर्ट में मामले को रखकर आज पत्रकारिता में खबरों का संकलन कर रहे हैं।

जानकारी में आगे बर्ष जून 1985 में जन्में पत्रकार अमित कुमार उन्देरिया गांव रजौराखुर्द जिला धौलपुर के निवासी होकर आज जिला भरतपुर के कस्बा रूपबास में अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

- **बीए तक की कर चुके हैं पढाई**

शिक्षा विभाग में प्रधानाध्यापक के पद पर जीवन व्यतीत करने वाले नेत्रपाल सिंह जाटव के बडे बेटे अमित कुमार उन्देरिया आज पत्रकारिता के क्षेत्र में समाज में अपनी एक मजबूत पहचान बनाकर अधिकारियों से भी अपनी एक मजबूत बनाये हुये हैं।

जिनके फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं।

- **कई बार मिल चुका है क्षेत्र में सम्मान**

40 वर्षीय पत्रकार अमित कुमार उन्देरिया को आज पत्रकारिता के क्षेत्र में ईमानदारी और निष्पक्ष पत्रकारिता को लेकर कई बार सम्मान भी किया जा चुका है।

26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर इनको पांच पत्रकारों के साथ उपखंड अधिकारी बाबूलाल द्वारा सम्मानित किया गया था।

- **क्षेत्र में दबंग पत्रकार के रूप में बना रखी है अपनी एक पहचान**

खबर में पत्रकार अमित कुमार उन्देरिया ने आज निष्पक्ष वे खौफ पत्रकारिता कर क्षेत्र में अपनी एक दबंग पत्रकार के रूप में पहचान बना रखी है।

खबर के अंत में अध्यक्ष बने पत्रकार अमित कुमार उन्देरिया आज धौलपुर रजौराखुर्द के मूल निवासी होकर आज रूपबास भरतपुर से पत्रकारिता में बने हुये हैं। जो एक रिटायर्ड प्रधानाध्यापक नेत्रपाल सिंह जाटव के बेटे हैं।

गीतों में चांदनी बरसी : नई पीढ़ी के ये तेवर नया इतिहास लिखेंगे

अंधेरों की कलम से रोशनी की आस लिखेंगे

चमकता राजस्थान

जयपुर । शरद पूर्णिमा की रात बादलों की ओट से चांद की शीतल फुहार काव्य धारा से मिली तो सृजन की अविरल धारा बह निकली।

प्रोग्रेसिव राइटर क्लब की ओर से आयोजित गीत चांदनी और तारा प्रकाश जोशी सम्मान समारोह में देश के कवि गणों ने अपने काव्य पाठ से लोगों को आनंदित किया

गीत चांदनी कार्यक्रम में गाजियाबाद से पधारे कवि बृजेश भट्ट ने छिल-छिल काधे गए पांव का निकला जैसे श्री राम चलते-चलते मिली जिंदगी कावर लिए हुए शंखनी गागर लिए हुए कविता के पाठ कर सभी को रस की धारा में डुबो दिया । इसके बाद लक्ष्मीपुर खीरी से कवि ज्ञान प्रकाश अकाल ने हम किसी बहरे समय में बांसुरी की तान जैसे, हम किसी बंजर धरा पर उग रहे थे धान जैसे कविता सुनकर गीत चांदनी कार्यक्रम को आगे बढ़ाया । दोसा की सपना सोनी ने मेरे मन की धारा पर मधुर भाव से चित्र अपने सलोना बना दीजिए जितनी गजलें कहीं है मेरे दोस्तों उनके कुछ शेर तो गुनगुना दीजिए और औरैया से पधारी औरैया से आई इति शिवहरे ने कुंडली तो मिल गई है मन नहीं मिलता पुरोहित क्या सफल परिणय रहेगा कविता सुनाई तो श्रोता अपनी तालिया को नहीं रोक सके ।

चूरू के कवि बनवारी लाल खामोश ने जोशीले अंदाज में अपनी कविता अपने आंगन कब आया कोई त्यौहार ही दिन सौदे बाजी करने आते हैं व्यापारी दिन और नागौर के धनराज दाधीच ने अपनी कविता बंटवारे को कर लिया कुछ ऐसे आसन हमने आंसू रख लिए उनको दी मुस्कान चित्तौड़ से पधारे और गीत चांदनी का संचालन कर रहे कवि रमेश शर्मा ने पत्ते झड़ने लगे बूढ़ा बरकत हुआ बस गई उम्र का आकलन रह गया मेरे गीतों पर जो तुम बाधी कभी जिल्द वह फट गई संकलन रह गया सुनाकर गीत चांदनी कार्यक्रम को ऊंचाइयां थी । इस अवसर पर विधायक गोपाल शर्मा, राधा मोहन चतुर्वेदी और आरएएस अधिकारी पंकज ओझा ने लखीमपुर खीरी के ज्ञान प्रकाश आकुल को दुशाला साफा स्मृति चिन्ह अभिनंदन पत्र माला और 21000 नगद प्रदान कर तारा प्रकाश जोशी सम्मान से सम्मानित किया । गीत चांदनी के संस्थापक विशंभर मोदी का प्रोग्रेसिव राइटर क्लब की ओर से कार्यक्रम आयोजक शायर और कवि लोकेंद्र कुमार साहिल और संस्था पदाधिकारी ने स्मृति सिन्हा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर कवि साहित्यकार और बड़ी संख्या में सुदीश श्रोता उपस्थित थे ।

17 अक्टूबर को आयोजित होगी जिला स्तरीयजनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम

- **कोटपूतली पंचायत समिति सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा कार्यक्रम**

चमकता राजस्थान/कोटपूतली-बहरोड़,(धर्मेंद्र बंसल) । 16 अक्टूबर ।जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवंसंवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए 17 अक्टूबर, 2024 (गुरुवार) को कोटपूतली-बहरोड़ जिले की जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे ।अतिरिक्त जिला कलक्टर ओम प्रकाश सहारणने बताया कि जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे ।इससे पहले गुरुवार को ही जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक प्रातः 10:30 बजे आयोजित की जायेगी। बैठक में समिति में दर्ज प्रकरणों पर गहनता से चर्चा की जायेगी।

जयपुर में आयोजित द्वितीय राजस्थान थागंता प्रतियोगिता में श्रीनगर के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

चमकता राजस्थान

सत्यनारायण पारीक /अजमर/ श्रीनगर यहां के 6 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक तथा दो खिलाड़ियों ने रजत तथा एक ने कांस्य पदक प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को राजस्थान थागंता संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शेखावत , पूर्व खेल अधिकारी राजस्थान स्पोर्ट्स काउंसिल के गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में पारितोषिक व योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किये ।विजेता खिलाड़ी उत्तराखंड में होने वाली तीसवी राष्ट्रीय थागता प्रतियोगिता में भाग लेंगे। राजस्थान डब्ल्यू एफ एस के ओ कराटे आर्गेनाइजेशन के मुख्य सचिव व अजमेर कोच सेंसाई सुनील जे रेनवाल ने बताया कि उनके सानिध्य में श्रीनगर परशुराम कराटे किड्स एकेडमी के कोच हार्दिक

पुरोहित ने खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया । राजस्थान में द्वितीय राजस्थान थागता प्रतियोगिता का आयोजन ब्राह्मण महासभा धर्मशाला विद्याधर नगर जयपुर में आयोजित हुई । प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के लगभग 300 खिलाड़ियों ने भाग लिया। पदक विजेता खिलाडियों ने तीसवी राष्ट्रीय तांग ता प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनिश्चित किया। इस प्रतियोगिता में जिले के श्रीनगर कस्बे के 9 खिलाड़ियों ने भाग लिया। 6 ने स्वर्ण पदक प्राप्त किये। व 2 ने रजत पदक व एक ने कांस्य पदक प्राप्त कर श्रीनगर कस्बे का नाम रोशन किया। कोच हार्दिक पुरोहित ने बताया कि सीनियर बालक वर्ग में 75केजी वजन में कार्तिकेय पुरोहित व 50केजी में हार्दिक पुरोहित ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया ।

जूनियर बालक वर्ग में 50 केजी वजन में अनय पुरोहित ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

सब जूनियर बालिका वर्ग 33किलो वजन में वेदाश्री सरावगी ने स्वर्ण व विदिशा सेन ने रजत पदक प्राप्त किया। 30किलो वजन में सुमन बैरवा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सब जूनियर बालक वर्ग में 21 किलो वजन में निदिश कुमार नामा ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। व 24किलो वजन में दिव्यांशु कुमावत ने रजत पदक प्राप्त किया 28किलो वजन में भाव्यांशू कुमावत ने कांस्य पदक प्राप्त किया। सभी पदक विजेता खिलाड़ी जनवरी 25 में 30 वी नेशनल थागंता प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उत्तराखंड जाएंगे। यहां अंदर 14 तथा 18 प्लस आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे यहां सब जूनियर व सीनियर वर्ग के अंडर 14 तथा 18 प्लस आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग लेंगे। गौरतलब है कि टांगता एक भारतीय मार्शल आर्ट खेल है। यह खेल स्कूल गेम्स में 2011 से तथा खेलो इंडिया में 2020 से है अभी तक तक थागता की 29 राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताएं हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम कल

- **कलक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा कार्यक्रम**

चमकता राजस्थान/जयपुर! (खलील कुरैशी) 16 अक्टूबर। जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं एवं समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिए कल दिनांक 17 अक्टूबर, 2024 (गुरुवार) को जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण जिला की जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। जिला कलक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि एवं समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे।जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव भी जुड़ेंगे। जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे।इससे पहले गुरुवार को ही जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक प्रातः 10:30 बजे आयोजित की जायेगी। बैठक में समिति में दर्ज प्रकरणों पर गहनता से चर्चा की जायेगी।

एडीएम ओम प्रकाश सहारण ने स्वयं संभाली 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान की कमान

- **कोटपूतली के प्रमुख होटल संस्थानों पर लिए सैंपल**
- **ओल्ड राव होटल पर आवश्यक खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार दस्तावेजों में कमी के कारण नोटिस जारी**

चमकता राजस्थान। कोटपूतली-बहरोड़,(धर्मेंद्रबंसल)। 16 अक्टूबर। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान की कमान स्वयं संभाल ली है। इसके तहत उन्होंने कोटपूतली के प्रमुख हाईवे पर स्थित होटल पर जाकर भोजन, मसाले आदि के सैंपल लेकर परीक्षण के लिए लेबोरेट्री में नमूने भेजे गए हैं जिसमें कमी पाए जाने पर संबंधित फर्म मालिकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी । सहारण ने बताया कि आमजन को शुद्ध एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत दीपावली पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिलेभर में मेडिकल विभाग द्वारा खाद्य पदार्थ में मिलावट करने वालों के खिलाफ निरंतर कार्यवाहियां की जा रही है ।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश साहरण एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आशीष शेखावत के नेतृत्व में होटल हाईवे किंग के यहां से ग्रेवी, घी और तेल का नमूना जांच हेतु लिया गया। होटल ओल्ड राव के यहां से तेल, पनीर और ग्रेवी के नमूने लिए गए तथा मन्नत रिसोर्ट के यहां से मिर्च पाउडर और तेल का नमूना जांच हेतु लिया गया ।ओल्ड राव होटल पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के निहित प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक दस्तावेज पूर्ण नहीं पाए गए इसलिए संबंधित फर्म को नोटिस जारी किया गया। सभी खाद्य कारोबार कर्ताओं को संस्थानों को साफ सफाई रखने, फूड लाइसेंस डिसप्ले करना, फूड हैंडलर्स का मेडिकल करवाने, पेस्ट कंट्रोल करवाने के निर्देश प्रदान किए गए।

गौ-प्रतिष्ठा आंदोलनः

गौ-ध्वज स्थापना भारत यात्रा में शामिल होने का किया आह्वान

चमकता राजस्थान/कोटपूतली बहरोड(धर्मेंद्र बंसल)। दिनांक 16 अक्टूबर 2024 बुधवार को बिहारी जी मंदिर कोटपुतली में गौ सेवार्थ सुंदरकांड व संकीर्तन समिति कोटपूतली के तत्वाधान में गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने तथा कत्ल खाने बंद करने के उद्देश्य से 18 अक्टूबर को जयपुर में गौ प्रतिष्ठा आंदोलन गौ-ध्वज स्थापना भारत यात्रा में शामिल होने का सनातन धर्म प्रेमियों से आ''ान किया गया ।इसमें गौ सांसद जयपुर ग्रामीण राहुल इंदौरिया व गौ विधायक जिला कोटपुतली बहरोड़ जितेन्द्र जोशी द्वारा बताया गया कि गौ माता में ब्रह्मांड के सभी देवी देवताओं का वास है और गौ माता का दूध अमृत समान जीवन की एक औषधि है । आज गौ माता को हम सबकी जरूरत है केवल एक दिन के लिए इस गौ माता के दूध का कर्ज उतारने के लिए गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिलवाने के लिए हम सबको 18 अक्टूबर शुक्रवार को जयपुर चलना है और हमें सरकार के सामने हमारी शक्ति दिखानी होगी, जिसमें ' परमाराध्य ' परमधर्माशीश ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती 1008 के मार्गदर्शन में संत समाज ओर सनातन धर्मप्रेमी 18 अक्टूबर शुक्रवार को प्रात 11 बजे विद्याधर नगर स्टेडियम जयपुर में एकत्रित होंगे अपनी लापरवाही में हम पहले भी बहुत कुछ खो चुके है । अगर आज भी हम ना जागे तो गाय माता को बस चित्रों में ही देख पाएंगे " सारे तीर्थ बारम्बार ,गौ माता के लिए चलो जयपुर एक बार "जीवन के सभी पाप कट जाएंगे,ऐसा मौका हम फिर कभी नहीं पाएंगे बैठक में समिति संयोजक जितेन्द्र जोशी, अध्यक्ष रजत जिंदल, उपाध्यक्ष विश्वनाथ सोनी, प्रवक्ता विनोद जोशी, गिरीश गुप्ता, अभिषेक चतुर्वेदी, दिनेश शर्मा, मनोज अग्रवाल, सीताराम अग्रवाल, रमेश स्वाईका, कमल शर्मा, रजनीश गोयल,नितिन जोशी,प्रदीप जिंदल उपस्थित रहे ।

आपकी आँखों में कुछ महके हुए से राज़ हैं

अजयमेरु प्रेस क्लब के स्वरांजली कार्यक्रम में किशोर दा को दी गई श्रद्धांजलि

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक :-श्रीनगर :अजमेर। नगमे थे महान पार्श्वगायक किशोर कुमार के, आवाज़ें थीं अजयमेरु प्रेस क्लब के सदस्यों की, और मौका था किशोर कुमार की पुण्यतिथि पर होने वाले सालाना कार्यक्रम ₹स्वरांजलि₹ का। अजयमेरु प्रेस क्लब के खचाखच भरे सभागार में सदस्यों द्वारा दी गई एक-एक प्रस्तुति श्रोताओं को हंसाती रही, गुदगुदाती रही, थिरकने पर मजबूर करती रही । किसी दर्द भरे गीत पर सोचों में डूबोती रही तो दार्शनिक शब्दों पर ख़्यालों में गोते लगवाती रही।

सुरेश श्रीचंदानी के गीत ₹भोले ओ भोले₹, अनिल गुप्ता के ₹आ चल के तुझे मैं लेके चलूं₹, अरविंद शुक्ला के ₹नखरे वाली₹, सैयद सलीम के ₹दीये जलते हैं₹, शरद कुमार शर्मा के गीत ₹यादों में वो₹ से शुरू हुआ गायकी का सिलसिला धीरे धीरे परवान चढ़ता गया और श्रोता अपनी कुर्सियों पर बंधे हर प्रस्तुति को दाद बांटते रहे।

इसके बाद प्रदीप गुप्ता ने 'ज़िन्दगी आ रहा हूँ मैं₹ गीत से जोश भरा, तो फरहाद सागर ने ₹मंज़िलें अपनी जगह हैं रास्ते अपनी जगह₹ गाकर जीवन के फलसफे सुनाए। सूर्यप्रकाश गाँधी जब ₹मेरे सपनों की रानी₹ गीत लेकर मंच पर उतरे तो मानो फिजां चहक उठी। इस चहक में प्रेम के रंग भरे क्लब अध्यक्ष राजेंद्र गुंजल व उनकी पत्नी आभा शुक्ला ने युगल गीत ₹तुम आ गए हो नूर आ गया है₹ गाकर; जिस पर की-बोर्ड पर संगत हेमंत कुमार शर्मा ने की।

गीतों का सिलसिला आगे बढ़ाया डॉ. अतुल दुबे ने ₹वो शाम कुछ अजीब थी₹ तथा ए.बी.एल. माथुर ने ₹ये वही गीत है₹ गाकर। उसके बाद पूर्व अध्यक्ष प्रताप सिंह सनकत ने किशोर दा का कालजयी गीत ₹चिंगारी कोई भड़के₹ अपने चिरपरिचित अंदाज़ में सुनाया, तो हेमंत कुमार शर्मा व उनकी पत्नी रक्षा शर्मा ने किशोर कुमार के 50, 60 व 70 के दशक के कुछ यादगार गीतों की सुंदर माला पिरोकर मेडले की प्रस्तुति दी। क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रमेश अग्रवाल ने महिलाओं को समर्पित ×फिल्म ₹सुहागरात₹ का संजीदा गीत ₹अरे ओ रे धरती की तरह हर दुःख सह ले₹ गाकर किशोर की गायकी के अनछुए पक्ष को सामने रखा, तो अमित टण्डन ने एक बार फिर अपने मस्तीभरे अंदाज़ को बिखरते हुए ₹दुनिया में रहना है तो काम कर प्यारे₹ गाकर सभागार को तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजा दिया। क्लब के सचिव गुरजेंद्र सिंह विर्दी ने एक सुंदर व सार्थक संदेश देता मेडले प्रस्तुत किया । जिसमें कुछ ऐसे गीतों के अंश शामिल किए गए, जो गीत किशोर कुमार ने ₹ज़िन्दगी₹ की थीम पर गाकर जीवन-मृत्यु, खुशी-×गम, ×ख्वाब-ह×की×कत और उत्थान-पतन के फलसफों को दुनिया के सामने रखा था। कार्यक्रम का दमदार समापन ₹संस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन समिति₹ के संयोजक फरहाद सागर सहित अन्य सदस्यों हेमंत शर्मा व शरद कुमार शर्मा ने एक गीत ₹प्यार हमें किस मोड़ पे ले आया₹ से किया।

कार्यक्रम में हमेशा की तरह एक खास मेहमान की उपस्थिति व प्रस्तुति रही। इस बार के खास मेहमान थे ₹घीसी बाई मेमोरियल मित्तल अस्पताल व रिसर्च सेंटर₹ के निदेशक डॉ. दिलीप मित्तल व उनकी पत्नी संगीता मित्तल, जिन्होंने युगल गीत ₹आपकी आँखों में कुछ महके हुए से राज़ हैं₹ गाकर सबको अचंभित कर दिया। इसी प्रकार अनिल जैन ने ₹ तुम बिन जाऊं कहां ₹ गीत गाकर श्रोताओं की दाद बटोरी । कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व महानगर संघचालक सुनील दत्त जैन ने डॉ. भगवती सिंह बारेठ , जॉनी भाषानी , गोविंदराम शर्मा और धीरज गोयल का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया ।

कार्यक्रम का संचालन प्रताप सिंह सनकत और अमित टंडन ने किया, जबकि साउंड सिस्टम प्रबंधन फरहाद सागर और कराओके साउंड ट्रेक व्यवस्था गुरजेन्द्र सिंह विर्दी ने संभाली।

इससे पूर्व वरिष्ठ सदस्यों, पदाधिकारियों व कुछ अतिथियों ने किशोर कुमार के चित्र पर फूल अर्पित किए। पूर्व अध्यक्ष डॉ रमेश अग्रवाल ने किशोर कुमार के जीवन व व्यवहार पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष राजेंद्र गुंजल ने अतिथियों को क्लब के इतिहास व नवाचारों की जानकारी दी। अंत में श्री गांधी ने आभार प्रकट किया ।

कार्यक्रम समाप्ति के बाद सभी अतिथियों , सदस्यों और उनकी पत्नियों ने स्वादिष्ट भोजन का रसास्वादन भी किया ।

केशयावाला में सरस-कृष्णा ब्रांड का सैंकड़ों लीटर नकली घी सीज

- **फैक्ट्री पर छापा मारकर दो आरोपियों को लिया हिरासत में**

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर द्वितीय। 16 अक्टूबर। बुधवार को सहायक पुलिस आयुक्त, मानसरोवर दक्षिण द्वारा मुहाना थाना इलाका स्थित ग्राम केशयावाला में नकली घी बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारकर सैंकड़ों लीटर नकली घी सीज किया गया। इस कार्यवाही में सरस-कृष्णा ब्रांड का नकली घी सीज किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण पंकज ओझा उपस्थित रहे।जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जयपुर द्वितीय की टीम के रमेशचंद यादव, दीपक कुमार सिंधी, राजेश कुमार नागर द्वारा मौके पर दोनो ब्रांड के घी के खाद्य नमूने लेकर जाँच हेतु भेजा गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. हंसराज भदालिया कार्यवाही के दौरान मौके पर मौजूद रहे।नमूने लेने के पश्चात सरस का 500`' और एक लीटर पेकिंग का 585 लीटर घी, कृष्णा का 200 `', 500`' व एक लीटर पेकिंग का कुल 369 लीटर घी, कुल 950 लीटर घी सहायक पुलिस आयुक्त, मानसरोवर दक्षिण द्वारा सीज किया गया। मुहाना थाना पुलिस द्वारा सुबह 08 बजे फैक्ट्री पर छापेमारी की। फैक्ट्री में नकली घी की पैकिंग करते हुए इकरार पुत्र वहीद खान, निवासी आगरा और समीर पुत्र शहाबुद्दीन, निवासी इटावा को मौके से पकड़ा। दोनों आरोपी डिब्बों में घी भर रहे थे। पुलिस को देखकर उन्होंने भागने का प्रयास भी किया, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया। फैक्ट्री मालिक मनीष गुप्ता पुलिस की पकड़ से बाहर है। इसने 24 दिन पहले ही यह मकान किराए पर लिया था। फैक्ट्री से बड़ी संख्या में सरस और कृष्णा ब्रांड के स्टीकर, रैपर, टीन, सोयाबीन तेल ऐसेंस व पाम ओयल पाया गया। आरोपियों ने बताया कि फैक्ट्री से घी की पैकिंग कर इसे शहर की अलग अलग दुकानों पर 100 रुपए कम दाम में लगभग 400 से 450 रुपए किलो में बेच रहे थे। जिन दुकानों पर नकली घी सप्लाई किया जा रहा था, उन दुकानों की डिटेल खंगाली जा रही है। इसकी जानकारी मिलने के बाद दुकानों को चिन्हित करके उन पर भी कार्यवाही की जायेगी। मामले मे सरस डेयरी द्वारा कॉपीराइट एक्ट के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस थाना, मुहाना द्वारा जांच की जा रही है।

कम्यूनिटी पुलिसिंग में राजस्थान को राष्ट्रीय पुरस्कार, नवाचार के लिए आईपीएस पंकज चौधरी हुए सम्मानित

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) 16 अक्टूबर। राजस्थान काडर के आईपीएस अधिकारी पंकज चौधरी की लीडरशिप में कम्यूनिटी पुलिसिंग को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। दिल्ली के होटल पुलमैन में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान समारोह में आईपीएस पंकज चौधरी को कम्यूनिटी पुलिसिंग में नवाचार एवं उम्दा कार्यों के लिए डूइंग गुड ×फॉर भारत अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया।कम्युनिटी पुलिसिंग के एसपी पंकज चौधरी को यह सम्मान शासन और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से उम्दा परफॉर्मेंस के लिए दिया गया है। इंडिया सीएसआर एंड ईएसजी समिट 2024 के अवसर पर राजस्थान में कम्यूनिटी पुलिसिंग के कार्यों की सराहना और सम्मान करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर नवाज़ा गया। सीएसआर एंड ईएसजी शिखर सम्मेलन के इस 11वें संस्करण में देशभर से चुनिंदा श्रेष्ठ कार्यों को मुकाम देने वाली अन्य हस्तियों को भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर पद्मश्री एवं ढोलकिया फाउंडेशन के अध्यक्ष शिवाजी ढोलकिया, केंद्रीय राज्यमंत्री कॉरपोरेट अफेयर्स हर्ष मल्होत्रा, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, उत्तरप्रदेश के सामाजिक न्याय राज्यमंत्री असीम अरुण समेत कर्नाटक के चिकित्सा मंत्री दिनेश गुण्डु राव ने ट्रॉफी एवं सर्टिफिकेट देकर एसपी चौधरी को सम्मानित किया। इस सम्मान समारोह में आईपीएस पंकज चौधरी के साथ एडीजीपी मध्यप्रदेश डॉ. वरुण कपूर, अडाणी फाउंडेशन,हुंडई मोटर्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर,एसबीआई लाइफ,सनोफी इंडिया, एचडीएफसी बैंक, जेनपैक्ट इंडिया, कैपजैमिनी टेक्नोलॉजी सरीखी देश की बड़ी कंपनियों के उम्दा प्रयासों को भी सम्मानित किया गया।

25 हजार रुपये इनामी गुरुग्राम से गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की कार्रवाई

बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना को पकड़ा

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 16 अक्टूबर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई कर बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर फर्जी जॉइनिंग लेटर थमा लाखों रुपए की ठगी करने वाले शातिर ठग दीपक कुमार मीणा पुत्र लल्लू राम (34) निवासी गढवास कोहरा मलावली थाना लक्ष्मणगढ़ (जिला अलवर) को गुरुग्राम से डिटेन कर लिया। जिसे बाद में अग्रिम कार्रवाई के लिए टोंक जिले की बरौनी पुलिस को सौंपा गया। आरोपी पर टोंक एसपी द्वारा 25000 का इनाम घोषित है।अतिरिक्त महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि प्रदेश में सक्रिय गैंगस्टर हार्डकोर बदमाशों एवं लंबे समय से फरार चल रहे इनामी अपराधियों की धरपकड़ एवं आसूचना संकलन के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में एजीटीएफ की टीमों को प्रदेश के अलग-अलग शहरों में भेजा गया है। इसी क्रम में उप निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मंगलवार को 25000 के इनामी दीपक मीणा को गुरुग्राम से डिटेन किया गया।

- **तरीका वारदात**

बेरोजगार लोगों से ठगी करने के लिए इस गिरोह ने विभिन्न शहरों में नेटवर्क फैला रखा है। गिरोह के सदस्य जयपुर, दिल्ली, गुड़गांव, पटना, कानपुर व अन्य शहरों में रहकर वहां पर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बेरोजगार व कमजोर वर्ग के छात्रों को बहला फुसलाकर कर सरकारी जॉब दिलाने के बहाने से राजी कर रुपये प्राप्त कर उन्हें फर्जी जॉइनिंग लेटर देते हैं। नौकरी ज्वाइन करने संबंधित विभाग के पास पहुंचने पर पीड़ित को ठगी का एहसास होता है।इस कार्रवाई में एएजीटीएफ के हैड कांस्टेबल कमल डागर व सुरेश कुमार की मुख्य भूमिका, एएसआई शंकर दयाल शर्मा की तकनीकी भूमिका रही। उप निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में गठित टीम के हैड कांस्टेबल महेश सोमरा, हैड कांस्टेबल रविंद्र सिंह, महावीर सिंह व नरेंद्र, कांस्टेबल नरेश एवं चालक श्रवण का सराहनीय सहयोग रहा।

टीम द्वारा किए गए प्रयास

दीपक मीणा शातिर किस्म का बदमाश है, मुल्जिम पिछले 2 साल से अपने गांव भी नहीं आ रहा था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी टोंक द्वारा 25000 का इनाम घोषित किया गया। एजीटीएफ टीम द्वारा परंपरागत पुलिसिंग व मुखबिरों की सूचनाओं के आधार पर इसकी गुड़गांव, दिल्ली, कानपुर व पटना में तलाश की गई। तलाश के दौरान मंगलवार को एजीटीएफ टीम के हैड कांस्टेबल कमल डागर और हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि दीपक मीणा आज पालम विहार गुरुग्राम में किसी से मिलने आ रहा है। सूचना पर उच्च अधिकारियों के निर्देश पर टीम के सदस्य कमल डागर, सुरेश कुमार व चालक श्रवण कुमार गुरुग्राम पहुंचे। जहां पर दीपक मीणा अपने टीम के किसी सदस्य से मिलने आया हुआ था, जिसे डिटेन किया जाकर पुलिस थाना बरौनी को सुपुर्द किया गया।

फर्जी जॉइनिंग लेटर देकर दो जनों से की थी 10.70 लाख की ठगी

साल 2021 में परिवादी देवी शंकर कीर और विजय सिंह कीर निवासी मुख्तयार नगर थाना बरौनी टोंक ने एक रिपोर्ट थाना बरौनी पर दर्ज कराई कि दीपक कुमार मीणा, मनराज कीर व हंसराज कीर ने एफसीआई एवं भारतीय डाक विभाग में भर्ती कराने के नाम पर फर्जी जॉइनिंग लेटर देकर 10 लाख 70 हजार रुपये अपने खाते में जमा करवा ठगी की है। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर बरौनी पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपी मनराज व हंसराज निवासी मुख्त्यार नगर को गिरफ्तार कर लिया था। मुल्जिम दीपक मीणा प्रकरण दर्ज होने के बाद से ही फरार हो गया।

काफी शातिर किस्म का है आरोपी दीपक मीणा

प्रकरण दर्ज होने के बाद ही मुख्य अभियुक्त दीपक मीणा अपने निवास स्थान से फरार हो गया। फरारी के दौरान भी बेरोजगार युवको से अपनी टीम के माध्यम से ठगी का कार्य कर रहा था। मुल्जिम दीपक बहुत ही शातिर किस्म का है। वह ना तो अपने पास मोबाइल रखता है और ना ही किसी सोशल मीडिया का प्रयोग करता है। आरोपी अपने साथी सदस्य के मोबाइल से ही सोशल मीडिया एप काम में लेता है। किसी भी टीम मेंबर को अपने साथ 10 से 15 दिन से ज्यादा नही रखता है। गांव से भागने के बाद मुल्जिम दीपक गुड़गांव, दिल्ली, पटना, कानपुर व अन्य शहरों में टीम के सदस्यों के साथ रहने लगा।

बांसवाड़ा में जिला स्तरीय निवेश सम्मेलन राइजिंग राजस्थान में 52 निवेशको ने 8936.46 करोड रू. के निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर किए

औद्योगिक विकास के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे : टीएडी मंत्री

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 16 अक्टूबर। जिला स्तरीय निवेश सम्मेलन राइजिंग राजस्थान का जिला स्तरीय कार्यक्रम बुधवार को बांसवाड़ा में जिले के प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी, जनजाति क्षैत्रीय एवं गृह रक्षा मंत्री के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रभारी सचिव जी.बी. चतुर्वेदी ,गढी विधायक कैलाश मीणा, जिला प्रमुख रेशम मालवीया, जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव, लाभचंद पटेल, जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव ने जिला स्तरीय निवेश सम्मेलन राइजिंग राजस्थान की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान कुल 52 निवेशको से 8936.46 करोड रू. के निवेश के एमओयू हस्तान्तरण हुआ। उक्त निवेश में जिले में लगभग 11800 का रोजगार सृजन सम्भावित है। मुख्य रूप से गोल्ड माईन हेतु 8000 करोड़ एवं तीन मैगनीज की माईन्स हेतु 680 करोड का निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। जिले में होटल एवं रिसोर्ट के 65 करोड रूपये के 8 प्रस्ताव, मिनरल

प्रोसेसिग के 60 करोड रूपये के 16 प्रस्ताव, बायो फ्यूल के 40 करोड़ रूपये के 4 प्रस्ताव एवं एग्रो प्रोसेसिंग के 50 करोड़ के 7 प्रस्ताव के एमओयू हस्तानान्तरित हुए।कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम स्थल पर जिले के ओडीओपी प्रोडक्ट् ग्रेनाईट एवं मार्बल टाईल्स के क्राप्टमेन इण्डिया, कौशल मार्बल, आरएसडब्लुएम, बांसवाडा सिन्टेक्स सहित जिले के हस्तशिल्पी एवं स्थानीय उत्पादो की स्टॉल की प्रदर्शनी लगाई गई।जिले के प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में विकसित एवं अग्रणी राजस्थान के ध्येय को साकार करने के लिए राज्य सरकार अनवरत कार्य कर रही है। राइजिंग राजस्थान समिट से प्रदेश के औद्योगिक विकास के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उद्योगों के विकसित होने से स्थानीय लोगो को रोजगार के अवसर प्रदान होंगे जिससे जिले के विकास को एक नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जिले की आबोहवा के अनुरुप उद्योग की अपार संभावना है। इस अवसर पर उन्होंने उद्योगपति स्व. रतन टाटा को भी याद किया।

इस अवसर पर विधायक कैलाश मीणा ने कहा कि जिले के विकास में गति मिल रही है। जिले में उद्योग लगने से युवा व स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी द्वारा औद्यागिक क्षेत्र काफी काम कर रहें है।इस अवसर पर जिला प्रमुख रेशम मालवीया ने कहा कि जिले में औद्यौगिक विकास से रोजगार के अवसर प्रदान होगे और जिले के विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में बांसवाडा उद्योग संघ के सविच दीनदयाल शर्मा एवं आर एस डब्ल्यूएम के बिजनेस हैड श्री नरेश कुमार बहेडिया ने भी अपने सुझाव व अनुभवों को साझा किया।कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के हितेश जोशी द्वारा स्वागत किया। इस अवसर पर जिले के उद्यमी द्वारा जिले से सम्बंधित उठाई गई मुख्य रूप से नेशनल हाईवे, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, उद्योगों हेतु रीको द्वरा नया औद्योगिक क्षेत्र, जिले से नियमित हवाई उडान एवं चौबिसों का पाडला हेतु प्रथक से जीएसएस एवं 2 लेन पक्की सडक सहित विभिन्न मांगो पर प्रभारी मंत्री को बताया गया।

संक्षिप्त समाचार

राज्य सरकार उद्यमियों के प्रोत्साहन के लिए तत्पर :- के.के.विश्नोई -उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री,

- **बाड़मेर में जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट में 2200 करोड़ के निवेश के लिए एमओयू**

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 16 अक्टूबर। राज्य सरकार अधिकाधिक निवेश एवं उद्यमियों के प्रोत्साहन के लिए तत्पर है। उद्योगों की स्थापना के लिए समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। बाड़मेर में इन्वेस्टमेंट समिट के जरिए हुआ निवेश भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह इतिहास के पन्नों में लिखे जाने वाला क्षण है। उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने बुधवार को बाड़मेर जिला मुख्यालय पर हवेली रिसोर्ट में आयोजित जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान उद्यमियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के.विश्नोई ने कहा कि उद्यमियों के निवेश को समृद्ध एवं सुरक्षित बनाने के लिए राजस्थान सरकार हर कदम पर उनके साथ है। उन्होंने कहा कि बाड़मेर जिले में अधिकाधिक निवेश करते हुए प्रदेश के विकास में नए आयाम स्थापित करें। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। राज्य स्तरीय समिट में भी निवेश के लिए उद्यमी एमओयू करवा सकते है। उन्होंने कहा कि पहली मर्तबा राज्य सरकार ने निवेशकों एवं इनोवेटर्स को राजस्थान में निवेश केलिएउच्चस्तरीयप्रतिनिधिमंडल एवं आईएएस को विदेश भेजा। राज्य मंत्री विश्नोई ने कहा कि इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं जर्मनी की यात्रा पर है। राजस्थान में निवेश के लिए बनाए गए सकारात्मक वातावरण के अच्छे परिणाम मिलने लगे हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 की घोषणा के दो महीने के भीतर अब तक 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं।चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल ने उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि बाड़मेर जिले के कई उद्यमियों में अल्प समय में विकास का सफर तय किया है। उनसे प्रेरणा लेते हुए दूसरे उद्यमियों को विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हुए बाड़मेर के विकास के लिए आगे आना चाहिए।बाड़मेर जिला प्रभारी सचिव सुबीर कुमार ने कहा कि अब बाड़मेर जिले का परिपेक्षय बदल गया है। पिछले कुछ वर्षों में बाड़मेर में विकास के नए आयाम स्थापित हुए है।कार्यक्रम के अंत में बाड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी ने जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट के सफलतम आयोजन के लिए उद्यमियों एवं विभागीय अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इससे बाड़मेर जिले में विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। उन्होंने कहा कि बाड़मेर जिले में 2200 करोड़ का निवेश होना बेहद ऐतिहासिक पल है। जो विभिन्न क्षेत्रों में विकास के साथ स्थानीय लोगों की प्रगति के द्वार खोलेगा।लघु उद्योग भारती के प्रदेशाध्यक्ष ईश्वरलाल बालड़ ने राजस्थान सरकार के उद्योगों को प्रोत्साहन देने की नीति की सराहना करते हुए कहा कि बिजली,पानी एवं रियायती दरों पर जमीन उपलब्ध कराने के लिए भी अतिरिक्त प्रयास किए जाने चाहिए।

- **2200 करोड़ के निवेश के लिए एमओयू-**

बाड़मेर में जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, प्रभारी सचिव सुबीर कुमार, जिला कलक्टर टीना डाबी, पुलिस अधीक्षक नरेंद्रसिंह मीना एवं चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल की उपस्थिति में 151 उद्यमियों ने जिला प्रशासन के साथ 2200 करोड़ के निवेश के लिए एमओयू किया। इसमें सर्वाधिक निवेश के लिए किशोरसिंह कानोड़ ने 1225 करोड़ का एमओयू किया। इसमें 1000 करोड़ का रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर, कृषि विश्व विद्यालय के लिए 200 करोड़ एवं 25 करोड़ होटल निर्माण के लिए किए गए। इसके अलावा मैसर्स तनसिंह चौहान की ओर से जोगेन्द्रसिंह चौहान ने 171 करोड़, कैलाश मेहता ने 161 करोड़, जेएसडब्ल्यू की ओर से 28 करोड़ के निवेश के लिए एमओयू हस्ताक्षर किए गए।

जविप्रा आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में जेडीए एवं एनएचएआई की संयुक्त महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक हुई आयोजित

दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश, विभिन्न मुद्दुओं पर हुई मुखर रूप से परिचर्चा

एनएचएआई द्वारा 200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर सीकर रोड तक अण्डरपासों की चौडाई बढाये जाने के लिए बनाई जा रही कार्ययोजना :- आनन्दी

चमकता राजस्थान

जयपुर! (खलील कुरैशी) 16 अक्टूबर। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में जेडीए अधिकारियों एवं एनएचएआई अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श के उपरान्त एन.एच.ए.आई. अधिकारियों एवं जेडीए अधिकारियों को निर्देश दिये गये। बैठक में एनएचएआई अधिकारियों को एनएचएआई द्वारा पूर्व में निर्मित सडकों पर बढते यातायात दबाव को दृष्टिगत रखते हुए सडकों की चौडाई बढाने के निर्देश दिये। इसके साथ ही एनएचएआई के प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर द्वारा बताया गया कि 200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर सीकर रोड तक विभिन्न अण्डरपासों पर पीपीसी का कार्य करवाया जा रहा है एवं एनएचएआई द्वारा यातायात दबाव को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न अण्डरपासों की चौडाई बढाये जाने हेतु कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिससे आमजन को यातायात दबाव की समस्या से निजात मिलेगी।

बैठक में अजमेर रोड एवं सीकर रोड पर सड़को पर जल भराव से उत्पन्न समस्याओं के निराकरण पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि 200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर सीकर रोड तक सर्विस रोड पर एवं पुलियाओं के नीचे पानी भराव की समस्या रहती है। एन.एच.ए.आई. अधिकारियों ने बताया कि समस्या के समाधान हेतु एन.एच.ए.आई. द्वारा सीकर रोड (200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर वीकेआई तक) एवं अजमेर रोड (कमला नेहरू नगर पुलिया से भांकरोटा तक) पर ड्रेनेज को री-डिजाईन किया जायेगा, जिसके लिए आउटफॉल जेडीए द्वारा उपलब्ध करवाया जायेगा। बैठक में जेडीसी द्वारा आगरा रोड एवं अजमेर रोड पर एन.एच.ए.आई. द्वारा निर्माणाधीन क्लोवर लीफ एवं अन्य कार्यो हेतु जविप्रा द्वारा उपलब्ध करवाई जाने वाली भूमि के संबंध में दोनों विभागों के अधिकारी संयुक्त दौरा कर शीघ्र समाधान तलाशने हेतु निर्देश दिये।इसके अतिरिक्त 200 फीट बाईपास चौराहे पर एनएचएआई द्वारा दो अण्डरपास एवं दो फ्लाईओवर का निर्माण कार्य जनवरी, 2025 तक प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है, इस हेतु जेडीए स्वामित्व एवं अन्य स्वामित्व 3 हैक्टेयर भूमि की आवश्यकता बताई गई है। बैठक में एनएचएआई के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पूर्व में नॉर्थन रिंग रोड परियोजना हेतु जो भूमि अधिग्रहित की गई थी, उसे निरस्त कर दिया गया है। इस हेतु 92 किमी हेतु नया प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। बैठक में जेडीए सचिव, निदेषक अभियांत्रिकी प्रथम एवं द्वितीय, निदेशक आयोजना, अतिरिक्त आयुक्त (पूर्व), संबंधित उपायुक्तगण, एनएचएआई प्रोजेक्ट डॉयरेक्टर, जेडीए एवं एनएचएआई के अधिकारीगण सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय प्री-इंवेस्टमेंट समिट से पहले जयपुर जिले में हुए 1000 करोड़ के निवेश करार

राइजिंग राजस्थान में जयपुर जिला निभाएगा महत्वपूर्ण भागीदारी

अतिरिक्त जिला कलक्टर की मौजूदगी में एसोसिएशन ऑफ गारमेण्ट एक्सपोर्टर्स ने एमओयू किये साइन

जयपुर,!(खलील कुरैशी) 16 अक्टूबर।

राइजिंग राजस्थान में जयपुर जिला अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभएगा। जयपुर, जयपुर ग्रामीण एवं दूदू जिलों की जिला स्तरीय इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन 8 नवंबर 2024 को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया जाएगा। मीट के सफल आयोजन के लिए संपूर्ण जिले के उद्यमियों से संपर्क किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार, दिनांक 16 अक्टूबर 2024 को औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा में एसोसिएशन ऑफ गारमेण्ट एक्सपोर्टर, सीतापुरा के सदस्य एवं पदाधिकारियों के साथ जयपुर में निवेश के संबंध में चर्चा की गई।अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट कुन्तल बिश्नोई की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में गारमेण्ट एक्सपोर्टर एवं व्यसायियों ने एक हजार करोड़ से अधिक के निवेश करारों पर हस्ताक्षर किये। बैठक में एजेस के अध्यक्ष आरिफ कागजी, उपाध्यक्ष दिनेश गुप्ता, महासचिव मोनू करनानी, संस्थापक दलपत लोढ़ा एवं राजीव दीवान के साथ-साथ 30 से अधिक उद्यमियों द्वारा भाग लिया गया।बैठक में चाकसू के निकट रीको द्वारा प्रस्तावित नए औद्योगिक क्षेत्र में इकाईयां स्थापित करने के रूझान के साथ एजेस के सदस्यों के द्वारा अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जिला उद्योग केन्द्र एवं रीको के अधिकारियों की उपस्थिति में 1000 करोड़ का निवेश किए जाने के एमओयू हस्ताक्षरित किए गए।जिनके द्वारा भूमि आवंटन के पश्चात 2 वर्ष के अन्दर इकाई स्थापित कर लगभग 10,000 व्यक्तियों को रोजगार एवं लगभग 700 करोड़ का निवेश किया जाना प्रस्तावित किया गया है। इसके अतिरिक्त निजी औद्योगिक क्षेत्र इण्टरनल ग्रीन पार्क जो कि उद्यमियों द्वारा अपने स्तर से विकसित किया जा रहा है के लिए 300 करोड़ का एमओयू हस्ताक्षरित किया गया। इस तरीके से बैठक में कुल 1000 करोड़ रूपए के निवेश हेतु एमओयू हस्ताक्षरित किए गए।संगठन द्वारा बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा में लगभग 300 गारमेण्ट की इकाईयां कार्यरत हैं जिसमें 175 इकाईयां एजेस के सदस्य हैं एवं इनके द्वारा लगभग 1500 करोड़ का व्यापार प्रतिवर्ष किया जा रहा है, जिसमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2 लाख व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। स्थापित इकाईयों द्वारा लगभग 500 करोड़ का निर्यात किया जा रहा है। बैठक में महाप्रबन्धक, जिला उद्योग एवं वाणिज्यि केन्द्र जयपुर (शहर) शिल्पी राजपुरोहित ने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभ प्राप्त करने हेतु उद्यमियों को सलाह दी।

बारां : पुलिस कानिस्टेबल भर्ती परीक्षा-2023 के अन्तिम चयन प्रकिया मे पकड़ा गया

दसवीं एवं 12वीं की परीक्षा दोबारा देकर बनाई फर्जी जन्मतिथि, एसओजी के इनपुट पर अंतिम चयन से पहले पकड़े गए

चमकता राजस्थान

जयपुर/बारां!(खलील कुरैशी) 16 अक्टूबर। बारां पुलिस ने अपनी वास्तविक जन्मतिथी को छिपाकर उम्र मे 9 वर्ष कम कर दोबारा 10वीं व 12वीं की परीक्षा पास कर फर्जी जन्मतिथी के आधार पर पुलिस कांस्टेबल 2023 की भर्ती के अंतिम पड़ाव पर पुलिस ने आरोपी हंसराज सिंह जाट पुत्र बनवारी लाल (31) निवासी भुरानपुरा जिला नीमकाथाना को गिरफ्तार कर लिया। मामले में थाना कोतवाली पर मुकदमा दर्ज किया गया है। एसपी राज कुमार चौधरी ने बताया कि मंगलवार 15 अक्टूबर को कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2023 का अन्तिम प्रक्रिया चरण पुलिस लाईन बारां मे चल रहा था। एसओजी जयपुर से प्राप्त गोपनीय परिवाद मे अंकित तथ्यों के आधार पर डाक्यूमेंट सत्यापन के दौरान अभ्यर्थी हंसराज सिंह प्रथम दृष्टया देखने पर ही अपनी दर्शायी हुई आयु से अधिक उम्र का प्रतीत हो रहा था।अभ्यर्थी ने दस्तावेज में वर्ष 2021 की कक्षा 10वीं व वर्ष 2023 की 12वीं की मार्कशीट दी थी। 10वीं की अंक तालिका में जन्मतिथि 25 नवंबर 2002 अंकित है। जन्मतिथि सत्यापन के लिए अभ्यर्थी ने मूल आधार कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस एवम् पेन कार्ड उपलब्ध कराया। ड्राईविंग लाईसेंस व आधार कार्ड की फोटो में भिन्त्रता पायी गयी। संदेह होने पर पूछताछ में अभ्यर्थी कोई संतुष्टपूर्ण जवाब नहीं दे पाया।जिससे अभ्यर्थी के पहने हुये कपडे एवम् बैग की तलाशी ली गयी। जिसमें अभ्यर्थी के पुराने दस्तावेज की छाया प्रति मिली जिसमें आधार कार्ड, दिल्ली पुलिस भर्ती आवेदन फार्म, ओरडीनेन्स फेक्टरी बोर्ड मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस भारत सरकार में भर्ती में किया गया आवेदन फार्म एवम् बोर्ड की 10वीं की अंकतालिका की मार्कशीट मिली जो अभ्यर्थी ने वर्ष 2009 में उत्तीर्ण की थी। उक्तानुसार चारों मिली छायाप्रति के दस्तावेजों में अभ्यर्थी की जन्मतिथि 25 नवम्बर, 1993 अंकित होना पाया गया है। धोखाधडी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार करवाने का मामला पाया जाने पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बल शाखा प्रभारी अक्षय मालवीय की ओर से थाना कोतवाली पर अभ्यर्थी हंसराज सिंह के विरुद्व प्रकरण दर्ज करवाया गयाप्रकरण का अनुसंधान एसएचओ छुट्टन लाल मीना द्वारा प्रारम्भ किया। आरोपी हंसराज सिंह ने पूछताछ मे स्वयं की वास्तविक जन्मतिथी 25 नवम्बर, 1993 होना बताया। आरोपी ने सत्र 2009-10 मे कक्षा 10वीं व सत्र 2011-12 मे कक्षा 12वीं की परीक्षाऐ उतीर्ण कर सरकारी नौकरी के प्रयास किये। जिसमें सफल नही हो पाने एवं ओवर ऐज होने पर पुनः सत्र 2020-21 मे कक्षा 10वीं की परीक्षा में जन्मतिथी 25 नवम्बर, 2002 दर्शा दुबारा यह परीक्षाऐ उतीर्ण की और इस बार कांस्टेबल भर्ती 2023 के अंतिम चरण तक पहुंच गया।

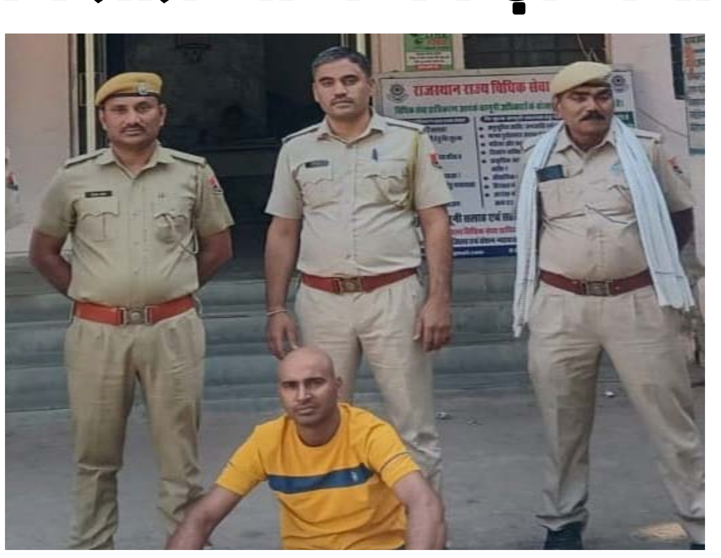

हरमनप्रीत सिंह और उदिता नीलामी में बने सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

तीन दिनों तक चली बोली-प्रक्रिया के बाद, आठ पुरुष और चार महिला टीमें दिसंबर में होने वाली हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में एक-दूसरे से भिड़ने के लिए तैयार हैं। हॉकी इंडिया लीग की बहुप्रतीक्षित वापसी की नीलामी में भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर हरमनप्रीत सिंह और उदिता सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उदिता को श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने 32 लाख में खरीदा, जबकि सूरमा हॉकी क्लब ने हरमनप्रीत सिंह को 78 लाख में खरीदा। हैदराबाद तूफान, सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स, तमिलनाडु ड्रैगन्स, यूपी रुद्रास, कलिंगा लांसर्स और टीम गोनासिका पुरुष फ्रेंचाइजी थीं, जिन्होंने 13 और 14 अक्टूबर को पुरुषों की नीलामी में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश की। 15 अक्टूबर को महिलाओं की नीलामी में, सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स और ओडिशा वॉरियर्स के बीच लीग में 24 खिलाड़ियों की सबसे मजबूत टीम बनाने के लिए मुकाबला हुआ। हॉकी इंडिया लीग सात साल के अंतराल के बाद फिर से शुरू हो रही है, लेकिन लीग की वापसी के साथ ही महिला हॉकी इंडिया लीग की शुरूआत भी हो रही है, जो भारत में अपनी तरह की पहली लीग होगी। महिला हॉकी इंडिया लीग पुरुषों की लीग के साथ-साथ चलेगी और इसका फाइनल 26 जनवरी को रांची में होगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर उदिता कई मशहूर अंतरराष्ट्रीय हॉकी सितारों को पछाड़कर 32 लाख रुपये में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स की नीलामी में सबसे ज्यादा कीमत पर बिकीं। नीलामी के अंत में, उनकी कुछ उल्लेखनीय साथी नीदरलैंड की ट्रिपल ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ईवा रोमा मारिया ड्रमंड और भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी वंदना कटारिया थीं। उदिता ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा हॉकी इंडिया पुरुष हॉकी इंडिया लीग के साथ-साथ महिला हॉकी इंडिया लीग आयोजित करके बाधाओं को तोड़ रहा है और नए मानक स्थापित कर रहा है। यह पहली बार था जब हममें से अधिकांश ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया और पूरी टीम इसका हिस्सा बनने के लिए उत्साहित थी। यह हमारे कौशल को दिखाने और विभिन्न राष्ट्रीयताओं के खिलाड़ियों के साथ खेलकर एथलीट के रूप में विकसित होने का एक अच्छा अवसर होगा।

हम सभी लीग को अपना 100 प्रतिशत देने के लिए उत्सुक हैं। मैं हॉकी इंडिया लीग की सबसे बड़ी खरीद बनकर खुश हूं और मैं श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को मुझ पर अपना विश्वास दिखाने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। उन्होंने एक प्रभावशाली टीम बनाई है और मैं मैदान पर उतरने और लीग जीतने का लक्ष्य रखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता हरमनप्रीत सिंह के लिए सभी आठ पुरुष टीमों ने कड़ी बोली लगाई। सूरमा हॉकी क्लब ने आखिरकार बाजी मार ली और नीलामी में कुल 4 करोड़ की राशि में से 78 लाख की बड़ी राशि खर्च की। हरियाणा-पंजाब स्थित इस टीम ने ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विवेक सागर प्रसाद और गुरजंत सिंह तथा अन्य बड़े नामों को अपने साथ जोड़कर एक मजबूत टीम बनाई है।

नीलामी के अंत में सूरमा हॉकी क्लब में हमारी टीम बहुत अच्छी दिख रही है :हरमनप्रीत

हरमनप्रीत सिंह ने कहा मैं बहुत खुश हूं कि हॉकी इंडिया लीग वापस आ गई है और वह भी शानदार अंदाज में। जब नीलामी के दौरान मेरा नाम आया तो मैं अपनी सीट के किनारे पर बैठा हुआ था और मन ही मन सरदार सिंह से उम्मीद कर रहा था कि वे मेरे लिए बोली लगाएं और मैं हरियाणा-पंजाब क्षेत्र के लिए खेलूं। जब सूरमा हॉकी क्लब ने आखिरकार मुझे नीलामी में शामिल किया तो मुझे बहुत राहत मिली और मैं इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता था। उन्होंने कहा नीलामी के अंत में सूरमा हॉकी क्लब में हमारी टीम बहुत अच्छी दिख रही है, मालिकों और कोचिंग स्टाफ ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हमारे पास अनुभवी, बड़े नाम वाले खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों का सही संतुलन है, जिनमें खुद भी बड़ा नाम बनने की क्षमता है। मैं फिर से बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ एचआईएल खेलने के लिए उत्सुक हूं।

संक्षिप्त खबरें

लौरा डेलानी की जगह गैबी लुईस बनीं आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान

डबलिन। गैबी लुईस को आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है, जो अब तक की सबसे अनुभवी खिलाड़ी लॉरा डेलानी की जगह लेंगी। डेलानी ने सभी प्रारूपों में आयरलैंड का 207 बार प्रतिनिधित्व किया है, और पिछले आठ वर्षों से वह उनकी कप्तानी भी कर रही हैं। वे महिला टी20 विश्व कप में जगह बनाने में असमर्थ रहीं, लेकिन हाल ही में उन्हें सफलता मिली है, अगस्त में श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय मुकाबले में 1-1 से बराबरी की, जब लुईस ने शतक बनाया और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गई। इसके बाद उनकी टीम ने वनडे में श्रीलंका को 2-1 से हराया। लुईस, जो वर्तमान में मेलबर्न में क्लब क्रिकेट खेल रही हैं, ने कहा मुझे पता है कि जब मैं पहली बार सीनियर टीम में आई थी, तो डेल्स उन टीम-साथियों में से एक थीं जिनसे आप प्रेरणा लेते थे।

द हंड्रेड : मैनचेस्टर ओरिजिनल्स पुरुष टीम के प्रभारी बने रहेंगे साइमन कैटिच

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर ओरिजिनल्स ने साइमन कैटिच को एक साल का अनुबंध विस्तार दिया है, जबकि इस सत्र में उनकी पुरुष टीम ने केवल एक जीत हासिल की थी, हालांकि क्लब ने स्टीफन पैरी को महिला टीम के कोच पद से हटा दिया है। पैरी ने दो साल तक महिला टीम की कमान संभाली थी। दोनों कोचों के भविष्य पर निर्णय ओरिजिनल्स बोर्ड द्वारा लिए गए, जिसे 2025 से लंकाशायर के साथ उनके घनिष्ठ संबंधों को दशार्ने के लिए पुनर्गठित किया गया है। काउंटी अगले सत्र में ओरिजिनल्स में बहुसंख्यक शेयरधारक बन जाएगी, जब उन्हें ईसीबी द्वारा 51% हिस्सेदारी सौंपी जाएगी, जबकि शेष 49% एक निजी निवेशक को बेची जाएगी। लंकाशायर के क्रिकेट निदेशक मार्क चिल्टन को पैरी के उत्तराधिकारी के रूप में महिला टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति प्रक्रिया का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई है।

एशेज 2024-25 के पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा पर्थ

मेलबर्न। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का पर्थ स्टेडियम एशेज 2024-25 के पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा। चार दशक से भी अधिक समय में यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में खेले जाने वाले एशेज की शुरूआत गाबा के अलावा किसी अन्य मैदान पर होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पर्थ स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया में एशेज मैच की मेजबानी करने वाला आठवां स्थल बन जाएगा। पहला टेस्ट 21 नवंबर से शुरू होने वाला है। पर्थ में होने वाले इस मैच के बाद, ब्रिस्बेन के गाबा में 4 दिसंबर से दिन-रात्रि टेस्ट खेला जाएगा होगा। गाबा में दूसरा टेस्ट ब्रिस्बेन का तीसरा दिन-रात्रि पुरुष टेस्ट होगा, इससे पहले पाकिस्तान (2016) और श्रीलंका (2019) की मेजबानी की जा चुकी है। तीसरा टेस्ट एडिलेड ओवल में होगा।

बारिश की भेंट चढ़ा पहले सत्र का खेल

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच का पहला सत्र बारिश से धूल गया और अब दूसरे सत्र पर भी संदेह है। बारिश के कारण अभी तक टॉस भी नहों हो सका है। अंपायर लगातार मैदान का निरीक्षण कर रहे हैं, पिच के चारों ओर पैच और नमी दिख रही है, फिलहाल बारिश रुक गई है, कवर भी हटा दिया गया है। हालांकि खेल शुरू होने में अभी भी समय है। भारतीय टीम इस महीने की शुरूआत में बांग्लादेश को हराने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज भारतीय दल के लिए अपनी कमियों को दूर करने और नवंबर में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा से पहले अपनी ताकत को परखने के लिए महत्वपूर्ण होगी।

खो-खो विश्व कप का आयोजन 13 से 19 जनवरी 2025 तक, नई दिल्ली करेगा मेजबानी

खो–खो हमारे देश की मिट्टी का खेल है: सुधांशु

- महाभारत के समय से ही खो-खो हमारे देश के इतिहास का हिस्सा रहा है : निखिल खडसे

नई दिल्ली। एजेंसी

खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने बुधवार को यहां त्यागराज स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में पहली बार आयोजित होने जा रहे खो-खो विश्व कप की तारीखों का ऐलान और इसके लोगो का अनावरण किया। भारत के प्राचीनतम खेलों में से एक खो खो के इस विश्व कप का उद्घाटन संस्करण का आयोजन 13 से 19 जनवरी 2025 के बीच नई दिल्ली में होगा। लांच समारोह में टीम महाराष्ट्र और शेष भारत के बीच एक शानदार प्रदर्शनी मैच भी खेला गया, जिसे महाराष्ट्र ने 26-24 से जीता।

मैच के बाद विश्व कप के आधिकारिक लोगो और टैगलाइन #TheWorldGoesKho का अनावरण किया गया। इस प्राचीन भारतीय खेल को वास्तव में अंतरराष्ट्रीय बनाने के लिए, इस टूर्नामेंट में 24 देश शामिल होंगे, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें विश्व वर्चस्व के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। चैंपियनशिप में प्रत्येक डिवीजन में 16 टीमें शामिल हैं। केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा खो-खो हमारे देश की मिट्टी का खेल है। इसलिए, हमें इस खेल को मैट पर लाने पर बहुत गर्व है। महासंघ को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिसने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत की है कि खो खो एक अंतरराष्ट्रीय खेल बन जाए। हमने सबसे पहले अल्टीमेट खो-खो लीग के माध्यम से खेल को इसके प्रशंसकों तक पहुंचाया, और अब, पहले खो-खो विश्व कप के साथ चीजों को अगले चरण पर ले जाने का समय आ गया है।

केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने कहा महाभारत के समय से ही खो-खो हमारे देश के इतिहास का हिस्सा रहा है। भारत सरकार कई स्वदेशी खेलों को बढ़ावा दे रही है और 2025 में खो-खो विश्व कप के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी करना उसी दिशा में एक कदम है। विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से खेल विज्ञान में उनके प्रयासों के लिए केकेएफआई को बहुत-बहुत बधाई, क्योंकि यह खेल के स्तर को दूसरे स्तर पर ले जाता है। ईजमाईट्रिप के सीईओ और सह-संस्थापक निशांत पिट्टी ने कहा हम 2025 में पहले खो-खो विश्व कप के लिए आधिकारिक भागीदार बनने के लिए उत्साहित हैं। यह आयोजन न केवल खो-खो की गतिशील भावना को प्रदर्शित करने में बल्कि ओलंपिक और एशियाई खेलों में इसे लाने की आकांक्षाओं के साथ वैश्विक मंच पर इसके समावेश को बढ़ावा देने में भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

एडी टी10 लीग में पदार्पण के लिए तैयार यूपी नवाब

नई दिल्ली। एडी टी10 लीग में नई फ्रेंचाइज्जी यूपी नवाब अपना पदार्पण करने के लिए तैयार है। टीम के मालिक वेंचर कैपिटलिस्ट लविश चौधरी हैं। मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रहने वाले चौधरी की गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर से यात्रा उनकी जड़ों से उनके गहरे जुड़ाव और क्रिकेट के प्रति आजीवन जुनून को दशार्ती है। यह नया उद्यम उन्हें खेल के प्रति अपने प्यार को अपने रणनीतिक निवेश दृष्टिकोण के साथ जोड़कर एक ऐसी टीम बनाने का मौका देता है जो उत्तर प्रदेश की भावना और लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करती है। लविश चौधरी ने टीम के लिए अपनी आकांक्षाओं को साझा करते हुए एक बयान में कहा क्रिकेट मेरे जीवन का एक मूलभूत हिस्सा रहा है, और एडी टी10 लीग में एक फ्रैंचाइज्जी का मालिक होना एक सपने के सच होने जैसा है। यूपी नवाबों के साथ, मेरा लक्ष्य उत्तर प्रदेश के गौरव को वैश्विक मंच पर लाना और लीग में एक मजबूत दावेदार के रूप में अपनी उपस्थिति स्थापित करना है।

युगांडा ने द. सूडान को हराकर अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस के लिए किया क्वालीफाई

जुबा। एजेंसी

युगांडा ने मंगलवार को एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण सूडान को 2-1 से हराकर मोरक्को में होने वाले 2025 अफ्रीकी कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) के लिए क्वालीफाई कर लिया है। युगांडा ने 11 अक्टूबर को कंपाला में हुए उलट मुकाबले में दक्षिण सूडान को 1-0 से हराया था। दक्षिण सूडान के मुख्य कोच निकोलस डुपुइस ने कहा कि युगांडा व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर टीम थी, उन्होंने कहा कि मैच का फैसला करने में यह महत्वपूर्ण था। दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा में एक ब्रीफिंग में डुपुइस ने कहा हमारे लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि युगांडा हमसे बेहतर था, इसलिए मुझे लगता है कि परिणाम सामान्य है। व्यक्तिगत रूप से वे बेहतर थे, लेकिन हमने कड़ी मेहनत की। यह पर्याप्त नहीं है लेकिन हमने एक अच्छी टीम के खिलाफ खेला।

आज चेन्नइयन एफसी का सामना नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से

गुवाहाटी। एजेंसी

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी और चेन्नइयन एफसी के मुकाबले के साथ ही इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 फिर से फुटबॉल मैदान पर आ जाएगी। अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के बाद यह आईएसएल का पहला मुकाबला होगा, जो गुरुवार, 17 अक्टूबर को शाम गुवाहाटी के इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेला जाएगा। गेमवीक पांच का यह मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों टीमों ने अंतरराष्ट्रीय ब्रेक से पहले अपने पिछले मुकाबलों में ड्रा खेला था। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी अपने घरेलू मैदान पर अंतिम क्षणों में गोल खाकर एफसी गोवा के साथ 3-3 का ड्रा खेलने के लिए मजबूर हुई थी। वहीं, चेन्नइयन एफसी को 10 खिलाड़ियों वाली हैदराबाद एफसी ने गोलरहित बराबरी करने पर मजबूर किया था। हाईलैंडर्स चेन्नइयन एफसी के खिलाफ अपने पिछले 10 मुकाबलों में केवल एक जीत (3 ड्रा, 6 हार) दर्ज कर पाए हैं और अपने रिकॉर्ड को बेहतर करना चाहेंगे। हालांकि, हाईलैंडर्स चेन्नइयन (5 जीत, 1 ड्रा) के खिलाफ अपने आठ घरेलू आईएसएल मैचों में से केवल दो हारे हैं। चेन्नइयन एफसी ने मौजूदा आईएसएल सीजन में प्रति मैच 19.3 शॉट प्रयास लगाए हैं, जो कि सबसे अधिक है। लेकिन उनमें से तीन को गोल में तब्दील हुए हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीजन में टीम के अब तक के प्रदर्शन पर बात की। उन्होंने माना कि टीम को अपना मैच बेहतर परिणाम के साथ खत्म करने की जरूरत है, लेकिन उन्होंने अपने सेटअप में सुधार करने के लिए कुछ और समय मांगा। बेनाली ने कहा यह मेरा यहां दूसरा सीजन है। हम आगे बढ़ रहे हैं। हम गलतियां करते हैं और उनसे सीखते हैं।

व्यापार

बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने बिहार और झारखंड में एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की

जमशेदपुर/रांची। एजेंसी

बंधन लाइफ और बंधन बैंक ने जीवन बीमा योजनाएं प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का शुभारंभ दो नए प्लान्स : आई-गारंटी विश्वास, गारंटीड लाभ वाली एक बचत बीमा प्लान, और आई-इन्वेस्ट II, एक यूनिट-लिंक्ड बीमा प्लान की पेशकश के साथ हुआ। अक्टूबर 2024 से ये प्लान्स बिहार और झारखंड में बंधन बैंक की 181 शाखाओं पर उपलब्ध होंगे। बंधन बैंक के मौजूदा ग्राहक कुछ ही मिनटों में पॉलिसी प्राप्त कर सकते हैं यदि वे बीमा की शर्तों को पूरा करते हैं तो। आने वाले सप्ताहों में कई नए प्लान्स जैसे 'शुभ समृद्धि' और अन्य बचत प्लान्स को शामिल किए जाने के साथ प्लान्स के पोर्टफोलियो का और भी विस्तार किया जायेगा। वर्ष 2024 के अंत तक बंधन लाइफ की सभी जीवन बीमा प्लान्स की एक व्यापक श्रेणी पूरे देश में उपलब्ध होगी, जिससे भारत के लोगों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के बंधन के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को बल प्राप्त होगा। बंधन लाइफ आई-गारंटी विश्वास उभरते हुए नए भारत के ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा की आवश्यकताओं को पूरा करता है। भुगतान किए गए प्रीमियम का 10 गुना जितना जीवन कवर और गारंटीड लाभ के साथ, यह प्लान पॉलिसीधारकों को अपने जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्य, जैसे कि बच्चे की पढ़ाई के लिए पैसे जुटाना, घर के लिए डाउन पेमेंट करना या छुट्टियों पर जाने की तैयारी करना आदि को पूरा करने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। मैच्योरिटी पर गारंटीड लाभ की सुविधा से बंधन लाइफ आई-गारंटी विश्वास मध्यम-आय वाले परिवारों के लिए अधिक फायदेमंद हो जाता है।

गोयल ने निर्माताओं से निर्यात के लिए गुणवत्ता पर ध्यान देने का आग्रह किया

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को उद्योग जगत से वैश्विक बाजारों का दोहन करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद को बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निर्यात प्रतिस्पर्धा सरकारी सब्सिडी या समर्थन से पूरी नहीं हो सकती।

वाणिज्य मंत्री ने यहां ताज प्लेस होटल में आयोजित प्रथम भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने बहुत कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़कर नेतृत्व किया, और वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय समूह बनाया। उन्होंने समूह की उपलब्धियों के साथ भारत को गौरवान्वित किया। गोयल ने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के निर्माण की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि इस दृष्टिकोण के बिना भारत को वास्तव में प्रतिस्पर्धी बनाना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने उद्योग जगत को संबोधित करते हुए भारत में गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए मोदी सरकार के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग जगत को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के विनिर्माण के लिए प्रेरित करने का प्रयास कर रही है, लेकिन उद्योग जगत को यह स्वीकार कराना एक कठिन काम है कि उन्हें गुणवत्ता वाला सामान बनाना चाहिए।

पहले घंटे के शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार शुरुआती कारोबार में लगातार दबाव में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। कारोबार की शुरूआत गिरावट के साथ हुई थी, लेकिन बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब शेयर बाजार रिकवरी करके हरे निशान में पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। 10 बजे के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार की चाल में दोबारा गिरावट आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, बीपीसीएल और डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज के शेयर 1.40 प्रतिशत से लेकर 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, नेस्ले, ट्रेंट लिमिटेड, इंडसइंड बैंक और हीरो मोटोकॉर्प के शेयर 1.64 प्रतिशत से लेकर 1.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,334 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,384 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 950 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे।

इनवेस्टमेंट समिट-2024 का हुआ आयोजन, 31 निवेशकों के साथ लगभग 607 करोड़ के एमओयू का विनमय : प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढम

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) धौलपुर। को जिले में औद्योगिक विकास को बढ़ाने के लिए बुधवार को सुन्दरम रिसोर्ट बाड़ी रोड़ धौलपुर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 के अन्तर्गत जिला स्तरीय इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। समिट में उद्यमियों के साथ समझौता ज्ञापनों का विनमय किया गया। समिट में राज्यमंत्री गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य विभाग एवं प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने समिट में आए उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विजन राजस्थान के प्रत्येक क्षेत्र में औद्योगिक विकास कर नए आयाम स्थापित करना है। यह शिखर सम्मेलन न केवल हमारे जिले के लिए, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक परिवर्तनकारी अवसर लेकर आया है। जिले में औद्योगिक निवेश न केवल हमारे जिले की अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगा, बल्कि रोजगार और समृद्धि का एक नया अध्याय भी खोलेगा। जब आप हमारे साथ निवेश करते हैं, तो आप केवल व्यवसाय को विकसित नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप हमारे स्थानीय कारीगरों, युवाओं और समुदायों के लिए अवसरों का द्वार खोल रहे हैं। यह निवेश न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा, बल्कि हमारे लोगों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करेगा।

हमारा जिला अपनी अद्वितीय लाल पत्थर की खदानों के लिए प्रसिद्ध है। ये खदानें केवल भौतिक संसाधन नहीं हैं; ये हमारे सांस्कृतिक धरोहर और शिल्प कौशल का जरिया बनती हैं। इन खानों में निहित अपार संभावनाएं हमें एक नई पहचान और आर्थिक विकास की ओर ले जा सकती हैं। यह स्थानीय समुदाय के लिए विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करेगी। हमारे युवा, जो रोजगार की तलाश में हैं, उन्हें इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं मिलेंगी। हर एक समझौता, जो आज किया जा रहा है, वह हमारे जिले के भविष्य की नींव रखता है सरकार आपके साथ मिलकर एक अनुकूल और सशक्त निवेश माहौल तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपके निवेश को हर संभव सुरक्षा और समर्थन मिले। हम पारदर्शिता, सहयोग और नवाचार की भावना के साथ कार्य करेंगे, ताकि यह साझेदारी फलदायी और दीर्घकालिक बने।

समिट में उद्यमियों के संबोधित करते हुए जिले के प्रभारी सचिव पी रमेश ने कहा कि धौलपुर की मिट्टी उद्योगों के विकास के लिए मुफीद है। जिला प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है। उद्योगों के विकास की संभावना को देखते हुए निवेश के लिए यह सर्वोत्तम समय है।सरकार उद्यमियों को सुगम व्यापार की दृष्टि से कई सुविधाएं प्रदान कर रही है। व्यापार स्थापित करने की प्रक्रिया को दिनों- दिन सरलीकृत किया जा रहा है।औद्योगिक दृष्टि से बनेगा सिरमौर बनेगा धौलपुर- डीएम जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा राजस्थान में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने और उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के प्रति संकल्पबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, धौलपुर औद्योगिक निवेश के लिए एमओयू करने वाले सभी उद्यमियों का स्वागत करते हुए उनके हर सकारात्मक कदम में साथ है! और हम सब मिलकर धौलपुर को औद्योगिक दृष्टि से सिरमौर जिला बनाने का प्रयास करेंगे। जिले में कृषि उत्पादों का काफी मात्रा में उत्पादन होता है जिससे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अपार संभावनाएं हैं। धौलपुर मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश की सीमा से सटा होने के कारण और राष्ट्रीय राजमार्गों एवं रेल मार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी होने के कारण औद्योगिक उत्पादों का सरल, सस्ता एवं सुगम परिवहन किया जा सकता है। जिले में पर्यटन के क्षेत्र में भी विपुल सम्भावनाएं है। हाल ही में कैमरा केप्चर में बाघ सरमथुरा के डांग क्षेत्र एरिया में विचरण करते हुए मिलते हैं टाईगर रिजर्व स्थापित होने के बाद पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा और लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होगें। जिले में मुद्रा योजना के तहत 106 करोड़ के ऋण उद्यम स्थापित करने के लिए जारी किये गये हैं। डोक्युमेंट्री देखी, उद्यमियों ने बताएं।अनुभव इन्वेस्ट धौलपुर समिट- 2024 के दौरान उद्योग विभाग की ओर से राज्य एवं जिला स्तर की अलग-अलग डॉक्युमेंट्री फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इस डॉक्यूमेंट्री फिल्म के जरिए राज्य सरकार की उद्योग नीति और औद्योगिक विकास को लेकर दिए जा रहे प्रोत्साहन के बारे में जानने के साथ-साथ धौलपुर सहित जिले के बाहर से आए उद्यमियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र मितुल गोयल ने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों एवं उद्यमियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा उद्यमियों के लिये संचालित महत्वाकांक्षी योजनाएं राजस्थान उद्योग संवर्धन योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना, बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई। इस मौके पर धौलपुर में औद्योगिक निवेश करने वाले उद्यमियों को हैण्डटूल्स के किट देकर सम्मानित किया और उन्हें एमओयू फाइल भी अतिथियों द्वारा भेंट की गई। उद्यमी राजीव मित्तल एवं राकेश लूथरा ने धौलपुर में निवेश के अनुकूल वातावरण के बारे में बताया। 31 इन्वेस्टर्स ने लगभग 607 करोड़ रुपये के एमओयू विनमय -समिट के दौरान 31 निवेशकों के साथ लगभग 607 करोड़ रूपये के एमओयू विनमय किए गए। जिससे अब करीब 1600 से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ, भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र पाराशर, भाजपा नेत्री नीरजा शर्मा, भाजपा नेता शिवचरण कुशवाह, सुखराम कोली, भाजपा जिला उपाध्यक्ष धीरसिंह जादौन सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एससी एसटी समाज ने दलित विरोधी एससी भाजपा विधायक का किया विरोध प्रदर्शन

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह)। भाजपा के वैर विधायक बहादुर सिंह कोली के द्वारा विगत दिवस खेरली मोड़ पुलिस चौकी को थाने में क्रमोन्नत करने के कार्यक्रम में अपने उद्बोधन में एससी एसटी के दुरुपयोग करने के कथित बयान के विरुद्ध राष्ट्रीय सर्व मेघवंश महासचिव इंडिया अभाव अभियोग निराकरण विभाग के राज्यपाल के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को भरतपुर को पेश कर वैर भाजपा विधायक बहादुर सिंह कोली की सदस्यता रद्द की करने की मांग की है। साथ में बीजेपी विधायक बहादुर सिंह कोली के साथ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस मौके पर दिनेश आठिया, राजेंद्र सोना, एडवोकेट करन सिंह, एड चंद्र प्रकाश, एड. पदम सिंह, एड, कैलाश गौतम, दीप माला जाटव, पिंकी देवी, मीरा आठिया, प्रहलाद सिंह, राजा आठिया, भानु प्रताप सिंह, प्रेम सिंह, सतीश कुमार, सुखपाल, लाखन सिंह, गोपाली, विक्रम, राजीव मथुरिया, विजय सिंह, राज कुमार पप्पा आदि मौजूद रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना के तहत शिविर आयोजित

चमकता राजस्थान ।रघुनंदन पारीक श्रीनगर। अजमेर , नसीराबाद बिजली विभाग कार्यालय के प्रांगण में शिविर का आयोजन किया गया ।उक्त योजना का लाभ लेने वाले इछुक आए । पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार जागरूकता हेतु सहायक अभियंता (पवस) अवीविनिलि नसीराबाद कार्यालय के प्रांगण में 16 10 2024 को प्रातः 11:00 बजे से 5:30 बजे तक शिवर का आयोजित किया गया जिसमें अधिशनसी अभियंता भंवर सिंह, सहायक अभियंता मनीष दत्ता, सहायक राजस्व अधिकारी आशीष कुमार शर्मा, और अधिकृत वेंडर व राष्ट्रीयकृत बैंक के कर्मचारी उपस्थित रहे। पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना भारत सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देशय देश में हरित ऊर्जा मिशन को बढ़ावा देकर पर्यावरण का संचालन बनाए रखने योग नवीनीकरण योजना सूत्रों का बढ़ावा देना है सोलर कनेक्शन हेतु क्षेत्र के राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा लोन की सुविधा उपलब्ध है। इस योजना के अंतर्गत

पंजीकरण करवा सकते है ,इस योजना का लाभ लेने वाले आवेदक को सौर पैनल की संपूर्ण जानकारी दी जाएगी ।इस योजना में अधिकतम 78हजार तक सब्सिडी का प्रावधान है।

सोलर पैनल लगवाने पर उपभोक्ताओं को अधिकतम 78000 तक की सब्सिडी का प्रावधान है इस जीवन में अधिकृत वेंडर व राष्ट्रीयकृत बैंक के कर्मचारियों द्वारा उपभोक्ताओं को जानकारी दी गई उक्त योजना पर फाइनेंस व इंश्योरेंस की सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से आसानी से रूफटॉप सोलर स्थापित किया जा सकता है उपभोक्ताओं को बताया गया की 3 से 10 किलो वाट तक सोलर पैनल लगवाने पर 78 000 रुपए तक का अनुदान मिलेगा इस सीवर में लगभग 38 उपभोक्ताओं को द्वारा रुचि दिखाई गई जिसमें सभी उपभोक्ताओं को पंपलेट दिए गए इसके संबंध में संपूर्ण जानकारी दी गई जिसमें 12 उपभोक्ताओं द्वारा आवेदन दिया गया।

पत्रकारिता को दबाने के प्रयास कामयाब नही होंगे : बाला भास्कर

पत्रकारों को सुविधा देने में सरकारें कर रही आनाकानी।

- इंडियन मीडिया जर्नलिस्ट्स यूनियन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक तमिलनाडु में सम्पन्न
- आईएमजेयू तमिलनाडु प्रदेश इकाई ने की मेजबानी।

चमकता राजस्थान

चैन्नई। पत्रकारिता सबसे बडी सेवा है। पत्रकारिता को दबाने के प्रयास कामयाब नही होंगे.पत्रकारिता मजबूत व ईमानदार पत्रकारों के बलबूते जिंदा है। बुधवार को चैन्नई के एस होटल में इंडियन मीडिया जर्नलिस्ट्स यूनियन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष बाला भास्कर ने ये विचार व्यक्त किए। भास्कर ने कहा कि पत्रकारों के अधिकारों के लिए आईएमजेयू लम्बी लड़ाई राष्ट्रीय स्तर व राज्य स्तर पर लड़ रहा है। मीडिया हाउस व सरकारें पत्रकारों का दमन लगातार कर रही हैं। आज पत्रकारिता की बजाय मीडिया मेनेजमेंट पर चर्चा की जाती है। विज्ञापन के आधार पर समाचार प्रकाशित किए जा रहे हैं। जो पत्रकारिता के लिए काला अध्याय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पत्रकारों के अधिस्वीकरण के नियमों का सरलीकरण करने,ग्रामीण पत्रकारों को भी अधिस्वीकरण जारी करने के प्रस्ताव रखे.आईएमजेयू के राष्ट्रीय महासचिव रोहिताश सैन (जयपुर) ने पत्रकारों के लिए ब्लॉक,जिला व राज्य स्तर पर आवास नीति बनाने,वरिष्ठ पत्रकारों के लिए पेंशन,बीमा व मेडीकल सुविधा प्रथम श्रेणी के अधिकारी के बराबर देने की मांग का प्रस्ताव रखा। जिसे सर्वसम्मति से मंजूर किया गया।आईएमजेयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य विनोद मेश्राम नागपुर ने अपने सम्बोधन में पत्रकारों की दशा और दिशा पर प्रकाश डाला. आईएमजेयू हिमाचल के प्रदेशाध्यक्ष कामेश्वर शर्मा ने पत्रकारों की आवास नीति को संशोधित करने,पेंशन सहित व विज्ञापन नीति मनमर्जी से लागू करने का विरोध किया। फेक न्यूज चैनल व अखबारों पर प्रतिबंध लगाने की मांग का प्रस्ताव रखा। आईएमजेयू राजस्थान के सुरेश कुमार शर्मा ने कहां कि पत्रकारों के लिए परिवहन सुविधा ना के बराबर है। राज्य सरकारों को चाहिए कि वो अपने अपने प्रदेशों में पत्रकारों के लिए बस यात्रा मुफ्त करें । केंद्र सरकार ट्रेन व एयर टिकट में नब्बे प्रतिशत छूट देने के साथ सभी प्रकार के टेक्स से छूट देने के साथ साथ राज्य एंव केंद्र सरकार की सभी गेस्ट हाउस,सर्किट हाउस में ठहरने की सुविधा प्रदान करने का प्रस्ताव रखा। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तमिलनाडु आईएमजेयू के प्रदेशाध्यक्ष मोहन तारा ने सभी प्रदेशों से आये सदस्यों का जोर शोर से स्वागत किया ओर पत्रकारिता के हितों के लिए हर लडाई में साथ देने का भरोसा दिलाया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में यूनियन के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा,उज्जवल शर्मा हिमाचल प्रदेश,हरिकिशन यादव व विनोद कुमार नई दिल्ली,आंध्र प्रदेश सचिव बुलुसू सुब्रह्मण्यम व कामेश्वर राव,मध्य प्रदेश के इंदौर से पवन डाबी,तमिलनाडु प्रदेश सचिव शंकर एन व श्रीनिवासन,महाराष्ट्र से नरेश मेश्राम व संतोष लांजेवार मौजूद थे। स्वागत भाषण तमिलनाडु प्रदेशाध्यक्ष मोहन तारा ने दिया। तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुधवार को तिरूपती,आंध्र प्रदेश में होगी तथा 17 अक्टूम्बर को आम सभा बैंगलुरू में होने के साथ सम्पन्न होगी।

अध्यक्षता की पद्म विभूषण देवेंद्र झांझड़िया ने

19वीं ऑल इंडिया स्व. हनुमान सिंह हैण्डबॉल प्रतियोगिता का सहकारिता मंत्री गौतम दक ने किया उद्घाटन

चमकता राजस्थान

जयपुर। मेज़बान राजस्थान का बुधवार से सवाई मान सिंह इंडोर स्टेडियम में शुरू हुई तीन दिवसीय वत्सल ग्रुप 19वो ऑल इंडिया स्व. हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता में मिश्रित भाग्य रहा। जहां उसने उत्तर प्रदेश को 23-16 (10-08) से हराया। वही गुजरात से मैच 14-14 की बराबरी पर छूटा।

इससे पहले प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन राजस्थान सरकार के सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम कुमार दक ने किया। समारोह की अध्यक्षता पद्म विभूषण पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झंझड़िया ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि वत्सल ग्रुप के चेयरमैन ललित गुप्ता, दक्षिण एशियाई हैंडबॉल महासंघ के महासचिव डा. आनन्देश्वर पांडे, राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष श्री अनिल व्यास, हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया की एथलीट कमीशन के चेयरमैन संदीप कोंटिया थे।

शाम के सत्र में राजस्थान बनाम उत्तर प्रदेश मैच के मुख्य अतिथि राजस्थान फुटबॉल संघ के मानद सचिव दिलीप सिंह शेखावत थे। अध्यक्षता गुरु वशिष्ठ अवार्डी सुब्रत सेन ने की। जबकि विशिष्ट अतिथि जयपुर ज़िला हैंडबॉल संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए मुकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष सीए आशीष जैन तथा अलवर ज़िला हैंडबॉल संघ के संयुक्त सचिव मानवेन्द्र सिंह राघव थे।

बुधवार को खेले गये अन्य मैचों के परिणाम इस प्रकार रहे

» भारतीय रेलवे ने बिहार 31–09 (16–05) से, मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी ने उत्तर प्रदेश को 16–08 (10–02) से, हिमाचल प्रदेश ने राजस्थान पुलिस को 28–12 (16–05) से, भारतीय रेलवे ने पंजाब को 28–20 (13–10) से, मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी ने हरियाणा को 16–11 (05–03) से हराया।

- **17.10.2024 को खेले जाने वाले मैच:-**

प्रातः के सत्र में:-

भारतीय रेलवे बनाम राजस्थान पुलिस- 7 बजे
मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी बनाम गुजरात- 7 बजे
हिमाचल प्रदेश बनाम पंजाब- 8 बजे
हरियाणा बनाम राजस्थान- 8 बजे
बिहार बनाम राजस्थान पुलिस- 9 बजे
उत्तर प्रदेश बनाम गुजरात- 10 बजे

सांयकालीन सत्र:-

बिहार बनाम पंजाब- 4 बजे
हरियाणा बनाम उत्तर प्रदेश- 4 बजे
भारतीय रेलवे बनाम हिमाचल प्रदेश- 5 बजे
मोरसिंगी हैंडबॉल नर्सरी बनाम राजस्थान- 6 बजे
राजस्थान पुलिस बनाम पंजाब- 7 बजे
हरियाणा बनाम गुजरात- 8 बजे

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929